E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 87 | प्रयागराज, बुधवार 10 जून, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

क्या अमेरिका के बिना टिक पाएगा इजराइल,दोबारा जंग से भारत चिंता में क्यों

तेहरान। जंग शुरू होने के 100वें दिन, यानी 7 जून को ईरान और इजराइल फिर भिड़ गए। ईरान के तेहरान, तबरीज और इस्फहान में धमाके गूंजे। इजराइल पर भी 2 महीने बाद ये शांति वापस भंग हो गई जून को इजराइल ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हमला कर दिया। इसमें 2 लोगों की जान गई और 20 घायल हुए। कुछ ही घंटे किए। तेहरान, तबरीज और इस्फहान शहर में धमाके सुनाई दिए। खुजेस्तान शहर के एक पेट्रोकेमिकल प्लांट को भी निशाना बनाया गया। आईआरजीसी ने

ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से हमले किए हैं। इस बीच डोनाल्ड ट्रम्प दोनों पक्षों से शांति की गुहार लगा रहे हैं। 28 फरवरी 2026 को अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला किया था। 5 हफ्ते जंग चलती रही। ईरान हार मानने को तैयार नहीं था। पाकिस्तान की कोशिशों के बाद 8 अप्रैल को डोनाल्ड ट्रम्प ने सीजफायर की घोषणा कर दी।तब से दोनों पक्षों में कोई सीधा बड़ा हमला नहीं हुआ था, लेकिन करीब के भीतर ईरान ने बैलिस्टिक मिसाइलों से इजराइल के रमत डेविड एयरबेस को निशाना बनाया। ईरान के मुताबिक इसी एयरबेस से लेबनान पर हमले किए गए थे। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिका से सीजफायर इस शर्त पर हुआ था कि जंग के सभी मोर्चों पर शांति होगी। लेबनान पर हमले करके इजराइल शर्त तोड़ रहा है। इजराइल ने भी पलटवार करते हुए 8 जून की सुबह ईरान पर हमले धमकी दी है, 'आज का हमला तो सिर्फ चेतावनी है। अगर हमले जारी रहे तो जवाब और बड़ा होगा।'ईरान की फ़ार्स न्यूज एजेंसी ने 8 जून को दावा किया कि अब ईरान हमले रोक रहा है। इजराइल की तरफ से ऐसा कोई संकेत फिलहाल नहीं मिला है। इजराइल के ताजा हमलों में अमेरिका सीधे शामिल नहीं है। उल्टा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील कर रहे हैं। **आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

जर्मनी-फ्रांस ने 100 अरब यूरो की संयुक्त फाइटर जेट परियोजना को समाप्त किआ

फ्रांस। जर्मनी और फ्रांस ने नई पीढ़ी के लड़ाकू विमान के चर्चा की। जर्मन अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने माना परियोजना की शुरुआत 2017 में मैक्रों और तत्कालीन जर्मन

संयुक्त विकास की महत्वाकांक्षी फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम (एफसीएएस) परियोजना के मुख्य हिस्से को समाप्त करने पर सहमति बनाई है। एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच लंबे समय से जारी तकनीकी और व्यावसायिक विवादों का समाधान नहीं निकलने के बाद दोनों देशों ने यह फैसला लिया। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने पिछले सप्ताह मोंटेनेग्रो में आयोजित ईयू-वेस्टर्न बाल्कन्स समिट के दौरान परियोजना पर कि परियोजना में शामिल कंपनियों के बीच जारी गतिरोध समाप्त होने की संभावना नहीं है। इसके बाद मर्ज ने मैक्रों को संयुक्त फाइटर जेट निर्माण योजना आगे नहीं बढ़ाने की सलाह दी। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि एयरबस और दसॉ एविएशन के बीच समझौता नहीं हो पाने पर दोनों नेताओं ने खेद जताया। विवाद का केंद्र विकास चरण पर नियंत्रण, बौद्धिक संपदा अधिकार और विमान की तकनीकी आवश्यकताओं को लेकर था। करीब 100 अरब यूरो की इस चांसलर एंजेला मर्केल ने की थी। बाद में स्पेन भी इसमें शामिल हुआ। परियोजना के तहत एक छठी पीढ़ी का लड़ाकू विमान, ड्रोन नेटवर्क और सुरक्षित 'कॉम्बैट क्लाउड' प्रणाली विकसित की जानी थी। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य फाइटर जेट कार्यक्रम भले बंद हो जाए, लेकिन 'कॉम्बैट क्लाउड' जैसे कुछ तकनीकी सिस्टम एफसीएएस नाम के तहत आगे बढ़ाए जा सकते हैं। एफसीएएस को यूरोप की सबसे महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजनाओं में गिना जा रहा था।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक,कोर्ट में वकील बोले- गोली खान सर ने नहीं चलाई

पटना। फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था। खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है। इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है। हमले वाले दिन यानी 2 जून को खान सर ने पुलिस की जमकर तारीफ की थी। 3 जून को खान सर के गाड्र्स के फायरिंग करने वाला वीडियो सामने आया। इसके बाद खान सर ने कहा कि मारपीट हो रही थी। पुलिस मौके पर लेट पहुंची थी। पुलिस वहां उड़कर तो नहीं पहुंचती, इसलिए गाड्र्स ने सेल्फ डिफेंस में फायरिंग की। गार्ड क्यों रखते हैं, ताकि समय पड़े तो लोगों को बचा सकें। जब तक पुलिस नहीं आई थी तब तक एक बॉडीगार्ड को क्या करना चाहिए था। क्या गाड्र्स ने किसी पर फायरिंग की।खान सर क्लासरूम में बच्चों को बता रहे हैं कि कोचिंग के गार्ड को बेरहमी से पीटा गया।

कोहली देश के सबसे वैल्युएबल पर्सनैलिटी- ब्रांड वैल्यू रु3542 करोड़,शाहरुख दूसरे, प्रियंका तीसरे और अमिताभ 7वें नंबर पर

मुंबई। दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली भारत की सबसे की एक्ट्रेस नयनतारा को जगह मिली है। वैल्युएबल पर्सन की

वैल्युएबल पर्सनैलिटी की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं। उनकी ब्रांड वैल्यू 3,542 करोड़ रुपए है। शाहरुख खान दूसरे और प्रियंका चोपड़ा जोनस तीसरे पायदान पर हैं। फॉर्च्यून इंडिया और इंटरब्रांड ने देश की 25 सबसे वैल्युएबल सेलिब्रिटी पर रिसर्च की। इसमें टॉप 10 में 3 क्रिकेटर और 7 फिल्मी सेलिब्रटी हैं। महिला सेलिब्रिटीज में प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर रहीं। इसके अलावा दीपिका पादुकोण (11वां स्थान), रश्मिका मंदाना (17वां स्थान), कृति सेनन, भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और साउथ सूची में दिलजीत दोसांझ, करन जौहर, सौरव गांगुली और विकी कौशल के भी नाम हैं। कैसे तय की गई ब्रांड वैल्यू- इस अध्ययन में ब्रांड वैल्यू तय करने के लिए सेलिब्रिटीज की कमाई, फॉलोअर्स या बॉक्स ऑफिस पर सफलता से इतर कई अन्य बातों पर भी ध्यान दिया गया है। इनमें ब्रांड की ताकत को तय करने वाले पहलुओं जैसे- विशिष्टता, सामंजस्य, जुड़ाव, विश्वास, आत्मीयता और जिम्मेदारी पर भी गौर किया गया है, जो मिलकर उनकी फाइनल ब्रांड वैल्यू तय करते हैं।

क्यूबा के पास 6.1 तीव्रता का अर्थक्विक,फ्लोरिडा और मेक्सिको तक झटके महसूस हुए

क्यूबा। क्यूबा के उत्तर-पश्चिमी तट के पास सोमवार को 6.1 तीव्रता होने की जानकारी दी। एहतियात के तौर पर कुछ सरकारी कार्यालय

का शक्तिशाली भूकंप आया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीसी) के मुताबिक, भूकंपका केंद्र पश्चिमी क्यूबा के मंटुआ शहर से करीब 104 किलोमीटर दूर समुद्र में था। इसकी गहराई लगभग 26 किलोमीटर दर्ज की गई। भूकंप के झटकों से क्यूबा के कई इलाकों में इमारतें हिल गईं और लोग घरों व दफ्तरों से बाहर निकल आए। राजधानी हवाना समेत कई शहरों में कंपन महसूस किया गया।झटकों का असर अमेरिका के फ्लोरिडा तक पहुंचा। मियामी, फोर्ट लॉडरडेल और ऑरलैंडो के आसपास के इलाकों में भी लोगों ने कंपन महसूस खाली कराए गए। मेक्सिको के युकातान प्रायद्वीप, कैंकून, प्लाया डेल कारमेन और टुलुम में भी झटके महसूस किए गए। हालांकि क्यूबा, अमेरिका और मेक्सिको में कहीं से भी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है।विशेषज्ञों के अनुसार, इस इलाके में इतने शक्तिशाली भूकंप बेहद दुर्लभ हैं। 1880 के बाद पहली बार इतनी तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया है। भूकंप के बाद सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। हालांकि अधिकारियों ने लोगों को आफ्टरशॉक की संभावना को देखते हुए सतर्क रहने की सलाह दी है।

जापान के बाद नेपाल ने भी भारतीय आमों पर लगाई रोक, जांच में मानकों पर नहीं उतरने का दावा

काठमांडू। जापान के बाद अब नेपाल ने भारत से आम मंगाने पर रोक लगा दी है। नेपाल के अधिकारियों का कहना है कि जांच

में कुछ खेपों में तय सीमा से ज्यादा कीटनाशक मिले। नेपाल सरकार के मुताबिक, यह फैसला खाद्य सुरक्षा नियमों का पालन कराने के लिए लिया गया है। सरकार ने साफ किया कि इसका मकसद भारत के साथ व्यापारिक रिश्तों को प्रभावित करना नहीं है। रोक लगने से पहले करीब 15.8 मीट्रिक टन भारतीय आम नेपाल पहुंच चुके थे। इनकी कीमत लगभग 10 लाख नेपाली रुपये बताई गई है। यह मामला ऐसे समय सामने आया है, जब पिछले महीने जापान ने भी भारतीय आमों के आयात पर रोक लगाई थी। हालांकि जापान ने यह कदम कीटनाशकों की वजह से नहीं, बल्कि जांच और सफाई से जुड़े नियमों में कमी मिलने पर उठाया था। जापान के फैसले से अल्फांसो, केसर, लंगड़ा और बंगनपल्ली जैसी भारतीय आम की मशहूर किस्मों का निर्यात प्रभावित हुआ था। करीब 20 साल में पहली बार जापान ने भारतीय आमों पर ऐसी रोक लगाई थी।

भारत ने पहली बार 12 परमाणु बम तैनात किए,एटमी हथियार 2 साल में 180 से बढ़कर 190 हुए, यह पाकिस्तान से 20 अधिक

नयी दिल्ली। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात किए हैं। देश का परमाणु हथियारों का भंडार भी 180 से बढ़कर 190 हो गया है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टिट्यूट (एसआईपीआरआई) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2025 में भारत ने एक भी परमाणु हथियार तैनात नहीं किया था, लेकिन 2026 में 12 की तैनाती की है। पाकिस्तान के परमाणु हथियारों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। उसके पास अभी 170 परमाणु हथियार हैं। उसके कितने हथियार तैनात हैं, यह स्पष्ट नहीं है। रूस-अमेरिका की तरह भारत अपने परमाणु हथियारों की सटीक संख्या, क्षमता और नाम आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं करता। एसआईपीआरआई और दूसरी संस्थाएं केवल अनुमान के आधार पर रिपोर्ट जारी करती हैं। एसआईपीआरआई इयरबुक 2026 के अनुसार दुनिया एक नए परमाणु प्रतियोगिता के दौर में पहुंच रही है। अमेरिका, रूस, चीन, भारत, पाकिस्तान समेत सभी परमाणु संपन्न देश अपने हथियारों और डिलीवरी सिस्टम को तेजी से अपग्रेड कर रहे हैं। 2026 की शुरुआत में दुनिया के 9 देशों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, उत्तर कोरिया और इजराइल के पास कुल 12,187 परमाणु हथियार हैं। इसमें से

देश	2025 तैनात	2026 तैनात	कुल हथियार
यूएस	1,770	1,770	5,042
रूस	1,718	1,796	5,420
चीन	24	34	620
भारत	-	12	190
पाक	-	-	170
अन्य	400	400	745
कुल	3,912	4,012	12,187

9,745 परमाणु हथियार सेना के भंडार गृह में हैं, जो इस्तेमाल के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रिपोर्ट के 3 पॉइंट्स जो भारत से जुड़े-दुनिया का 5वां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देशः 2025 में भारत का रक्षा खर्च 92.1 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 8.9 प्रतिशत अधिक है। रक्षा खर्च के मामले में भारत से आगे केवल अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी हैं। दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयात करने वाला देशः 2021-25 के दौरान भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा हथियार आयातक भी रहा। वैश्विक हथियार आयात में भारत की हिस्सेदारी 8.2फीसदी रही। यूक्रेन, भारत, सऊदी अरब, कतर और पाकिस्तान की संयुक्त हिस्सेदारी 35फीसदी रही।अमेरिका-रूस के पास दुनिया के करीब 86फीसदी परमाणु हथियारः दोनों देश बड़े स्तर पर परमाणु आधुनिकीकरण कार्यक्रम चला रहे हैं। चीन का परमाणु भंडार भी बढ़कर 600 से 620 हथियारों तक पहुंच गया है। भारत के पास 190, पाकिस्तान के पास 170 परमाणु हथियार हैं। भारत की कोशिश- चीन के आखिरी छोर तक पहुंचने वाले हथियार बनाए- भारत लंबी दूरी के ऐसे हथियार बनाने पर फोकस बढ़ा रहा है, ताकि उनकी पहुंच चीन के आखिरी छोर तक हो सके। दरअसल, भारत एक साथ चीन और पाकिस्तान दोनों मोर्चों पर संतुलित रणनीतिक क्षमता बनाए रखने की कोशिश कर रहा है। 2020 की हिंसक गलवान झड़प के बाद भारत-चीन सीमा पर भारतीय सैन्य निगरानी भी बढ़ी है। भारत नए परमाणु डिलीवरी सिस्टम पर भी काम कर रहा है। इनमें सबसे अहम है एमआईआरवी तकनीक यानी मल्टीपल इंडिपेंडेन्टली टारगेटेबल रीएंट्री व्हीकल। इस तकनीक के जरिए एक ही बैलिस्टिक मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जा सकती है और अलग-अलग लक्ष्यों को निशाना बना सकती है। समुद्र में भी बढ़ी परमाणु ताकत-रिपोर्ट में भारत की समुद्री परमाणु क्षमता को भी बेहद महत्वपूर्ण बताया गया है।

एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर वसूलने का आदेश रद्द,कोर्ट बोला- ट्रम्प फीस के नाम पर टैक्स नहीं ले सकते- भारतीयों को सबसे ज्यादा राहत

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी फेडरल कोर्ट ने ट्रम्प के एच-1बी

कोर्ट के फैसले के खिलाफ ट्रम्प सरकार अपील कर सकती है। एच-1बी एक गैर-अप्रवासी वीजा है, जिसके जरिए अमेरिकी कंपनियां कुछ समय के लिए विदेशों से हाई स्किल वाले पेशेवरों को नौकरी पर रख सकती हैं। पहले एच-1बी वीजा आवेदन करने पर कंपनियों को करीब 2000 से 5000 डॉलर तक फीस देनी पड़ती थी। इस वीजा का सबसे ज्यादा इस्तेमाल भारतीय आईटी और टेक प्रोफेशनल्स करते हैं। ऐसे में कोर्ट के इस फैसले को अधिकार है, लेकिन कोर्ट इस दलील से सहमत नहीं हुआ। सरकार ने माना- फीस बढ़ने के बाद आवेदन घटे-ट्रम्प सरकार के फीस बढ़ने का असर वीजा आवेदनों पर भी पड़ा। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के आंकड़ों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 के लिए एच-1बी रजिस्ट्रेशन में 38.5फीसदी की गिरावट आई। यह संख्या 3.44 लाख से घटकर 2.11 लाख रह गई। अमेरिकी सरकार ने खुद कोर्ट में माना था कि फीस बढ़ने के बाद एच-1बी वीजा के आवेदन तेजी से घटे हैं। मार्च में प्रशासन ने बताया था कि 15 फरवरी तक सिर्फ 85 लोगों ने ही नई फीस जमा की थी। एच-1बी प्रोग्राम के तहत हर साल 65,000 वीजा जारी किए जाते हैं। इसके अलावा एडवांस डिग्री वाले विदेशी प्रोफेशनल्स के लिए और 20,000 वीजा दिए जाते हैं। यह वीजा आमतौर पर 3 से 6 साल के लिए मंजूर होता है। भारत पर सबसे ज्यादा असर पड़ा था-ट्रम्प सरकार के इस फैसले का सबसे ज्यादा असर भारत पर पड़ा था। बड़ी संख्या में भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स एच-1बी वीजा के जरिए अमेरिका में काम करते हैं। एआई की वजह से टेक सेक्टर में छंटनी और नए इमिग्रेशन नियमों के कारण विदेशी कर्मचारियों की भर्ती पहले ही धीमी हो चुकी थी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

ईरानी बोट्स पर हमले के लिए तैयार अमेरिकी हेलिकॉप्टर क्रैश,होर्मुज के पास हुआ हादसा,दोनों पायलट सुरक्षित

तेहरान। अमेरिकी सेना का एक अपाचे हेलिकॉप्टर सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास क्रैश हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने न्यूयॉर्क में पत्रकारों से बातचीत के दौरान घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि हेलिकॉप्टर में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण गिरा या किसी हमले का शिकार हुआ। अमेरिकी सैन्य अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस मामले पर कल रिपोर्ट जारी की जाएगी। अमेरिकी सेना होर्मुज स्ट्रेट में अपाचे हेलिकॉप्टर, एमक्यू-9 रीपर ड्रोन, एफ/ए-18 और एफ-35 लड़ाकू विमानों की मदद से सुरक्षा अभियान चला रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, अपाचे हेलिकॉप्टरों का इस्तेमाल छोटे हथियारबंद बोट्स और ड्रोन के हमले रोकने के लिए किया जाता है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ईरान-इजराइल में 2 महीने बाद फिर जंगः अप्रैल में हुए सीजफायर के बाद ईरान ने इजराइल पर 30 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। जवाब में इजराइल ने ईरान के सैन्य ठिकानों, एयर

डिफेंस सिस्टम और पेट्रोकेमिकल प्लांट पर हमले किए। 2. भारत ने नागरिकों को ईरान छोड़ने की सलाह दीः बढ़ते सैन्य तनाव के बीच भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर भारतीयों से ईरान की यात्रा टालने और वहां मौजूद लोगों से जल्द देश छोड़ने को कहा। 3. हूती विद्रोहियों ने रेड सी में इजराइली जहाजों की नाकाबंदी का ऐलान कियाः यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी। इससे वैश्विक समुद्री व्यापार और तेल सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका बढ़ गई है। 4. ईरान-इजराइल टकराव से तेल 3फीसदी से ज्यादा महंगाः तनाव बढ़ने के बाद ब्रेंट क्रूड 96.75 डॉलर प्रति बैरल और डब्लूटीआई 93.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। बाजार को होर्मुज स्ट्रेट में सप्लाई बाधित होने का डर है। 5. ट्रम्प-नेतन्याहू में मतभेद की खबरेंः रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प ने नेतन्याहू से ईरान पर पलटवार न करने को कहा। अमेरिकी और इजराइली रुख में मतभेद की चर्चाएं तेज हुईं, जबकि ट्रम्प ने कहा कि ईरान के साथ जो भी डील होगी, नेतन्याहू को माननी पड़ेगी। लेबनान में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने अपने लंबे समय के सहयोगी लेबनान और हिजबुल्लाह के प्रति समर्थन दोहराते हुए इजरायल को कड़ा संदेश दिया है। ईरान ने संकेत दिया है कि यदि लेबनानी क्षेत्रों पर हमले जारी रहे तो वह प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

(फ़ॉलोअप)

'कमर छूने वाला गिरफ्तार नहीं हुआ तो जान दे दूंगी',हरियाणवी डांसर बोलीं- 15 जून तक इंतजार करुँगी

जहां इज्जत मिलेगी, वहीं परफॉर्मेंस दूंगी

हरियाणा। हरियाणवी डांसर के साथ उत्तर प्रदेश के हाथरस

नो मीन्स नो

यूपी में हरियाणवी डांसर ने युवक को लगाया तमाचा, कमर छूने पर भड़कीं, बोलीं- नाच रही इसका मतलब ये नहीं हाथ लगाओगे

में स्टेज शो के दौरान हुई कथित बदसलूकी का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। इस मामले में हाथरस पुलिस ने अज्ञात युवक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि, डांसर का कहना है कि जिस युवक ने उनके साथ बदसलूकी की थी, उसकी अब तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। डांसर ने कहा, 'हाथरस पुलिस ने मुझे 11 जून को दोबारा थाने बुलाया है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 15 जून तक इंतजार करूंगी। यदि तब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ, तो मैं सुसाइड कर लूंगी।'उन्होंने यह भी कहा- 'मेरे लिए इज्जत सबसे पहले है। जहां मुझे इज्जत नहीं मिलेगी, वहां परफॉर्मेंस नहीं दूंगी।' डांसर 3 जून को हाथरस में एक जन्मदिन समारोह में परफॉर्मेंस देने पहुंची थीं। आरोप है कि कार्यक्रम के दौरान एक युवक मंच पर पहुंच गया और उनके साथ छेड़छाड़ की। साथ ही कमर पर टच किया। इसके बाद डांसर ने उस युवक को थप्पड़ जड़ दिया। डांसर ने कहा, 'हाथरस पुलिस की ओर से एक वीडियो जारी कर एक व्यक्ति की गिरफ्तारी का दावा किया गया है, लेकिन वह व्यक्ति आयोजन समिति से जुड़ा है। समिति के लोगों से मेरा कोई विवाद नहीं है और न ही उनकी कोई गलती है। यदि थाना स्तर पर उचित कार्रवाई नहीं होती, तो मैं गृहमंत्री को पत्र लिखूंगी। जरूरत पड़ने पर राष्ट्रीय महिला आयोग और अन्य संबंधित संस्थाओं से भी शिकायत करूंगी। मैं हार मानकर घर नहीं बैठने वाली।' उन्होंने कहा कि राजस्थान और हरियाणा में उनके कई लाइव शो तय हैं। 14 जून को राजस्थान में उनका एक कार्यक्रम भी है। डांसर ने कहा, 'जिन लोगों को मेरे कार्यक्रम पसंद हैं, वे मुझे बुलाते रहेंगे। लेकिन अगर कोई यह सोचता है कि कलाकार होने की वजह से मेरे सम्मान से समझौता किया जा सकता है, तो ऐसे कार्यक्रमों में जाना मुझे मंजूर नहीं है। मेरे लिए सम्मान सबसे पहले है। जहां सम्मान नहीं मिलेगा, वहां मैं नहीं जाऊंगी।' डांसर ने कहा कि पहले भी कई स्टेज कलाकारों के साथ ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। कलाकारों को ऐसे मामलों में खुलकर आवाज उठानी चाहिए और अपने सम्मान के लिए संघर्ष करना चाहिए। हरियाणवी अभिनेत्री पूजा हुड्डा ने उन्हें फोन कर समर्थन दिया है। इसके अलावा भी कई लोगों का सहयोग और समर्थन मिल रहा है।

42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी प्रयागराज में साइबर सुरक्षा जागरूकता एवं एनपीएस संबंधी कार्यक्रम आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सोमवार को 42वीं

वाहिनी पीएसी, नैनी प्रयागराज के सभागार में सेनानायक महोदय राजेश कुमार श्रीवास्तव (आईपीएस) के कुशल निर्देशन में साइबर अपराध से सुरक्षा जागरूकता एवं राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) संबंधी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारियों को साइबर अपराध से संबंधित विभिन्न घटनाओं जैसे हैकिंग, फिशिंग, पहचान की चोरी (Identity Theft), वित्तीय धोखाधड़ी (Financial Fraud) तथा डिजिटल सिस्टम को क्षति पहुँचाने वाले अपराधों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधियों द्वारा अपनाए जाने वाले विभिन्न तरीकों एवं उनसे बचाव के प्रभावी उपायों के बारे में जागरूक किया गया। साइबर सुरक्षा के अंतर्गत मजबूत एवं अलग-अलग पासवर्ड (अक्षर, अंक एवं विशेष चिन्हों के संयोजन सहित) का प्रयोग करने, टू-स्टेप वेरिफिकेशन (2एफए) को सक्रिय रखने, ओटीपी, सीवीवी, बैंक खाते एवं अन्य व्यक्तिगत जानकारी किसी के साथ साझा न करने तथा अनजान लिंक एवं अटैचमेंट पर क्लिक न करने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) से प्राप्त होने वाले लाभों की जानकारी दी गई। साथ ही भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पुलिस बल के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं, लाभार्थी बीमा योजनाओं, पुलिस परिवार के बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अन्य सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें उपलब्ध विभिन्न कल्याणकारी एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर उनका अधिकतम लाभ सुनिश्चित करना था। 42वीं वाहिनी पीएसी, नैनी प्रयागराज।

सरकार आपके द्वार स्वरूप में जनसमस्या समाधान शिविर का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 05 जून 2026 से 21 जून 2026 के मध्य,

प्रदेश में समेकित जन-कल्याण एवं जन जागरूकता अभियान के तहत 08 जून 2026 से 14 जून 2026 तक विशेष जन सम्पर्क एवं जन-जागरूकता कार्यकम करने हेतु प्रस्तावित है, दिनांक 09.06.2026 को उपायुक्त उद्योग के अध्यक्षता में उपायुक्त सभागार में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ, जिसमें जनपद के सम्मानित उद्यमी/ व्यापारीगण / बैंकर्स सम्मलित हुये। उपायुक्त उद्योग द्वारा विभाग के द्वारा संचालित योजनाये जैसे मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद वित्तपोषण सहायता योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, एक जनपद एक उत्पाद प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना, तकनीकी उन्नयन योजना आदि की जानकारी उपस्थित उद्यमियों को दी गयी। शासन द्वारा प्रदेश के प्रत्येक जनपद के विशिष्ट परम्परागत व्यंजनों को राष्ट्रीय अन्तर्राष्ट्रीय पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से प्रदेश के जनपदों के परम्परागत व्यंजनों के विकास हेतु हाल ही में एक जनपद एक व्यंजन योजना दिनांक 05.05.2026 को प्रख्यापित की गयी है। एक जनपद एक व्यंजन योजनान्तर्गत प्रदेश के प्रत्येक जनपद के विशिष्ट पराम्परागत व्यंजनों का चिन्हांकन किया गया है। जनपद-सोनभद्र हेतु गुलाब जामुन व्यंजन का चिन्हांकन किया गया है। परम्परागत व्यंजनों की पहचान को सुरक्षित एवं संरक्षित करने, स्वच्छता एवं खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने, व्यंजनों की शेल्फ लाईफ बढ़ाने एवं इन व्यंजनों को स्केलेवल बनाने के उद्देश्य से जनपदवार व्यंजनवार स्टैण्डर्ड रेसिपि मैन्युअल विकसित किये जायेंगे के सम्बन्ध में भी चर्चा किया गया। जिसमें अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण, रावर्ट्सगंज के द्वारा व्यापारियो/ उद्यमियों को विद्युत विभाग के कनेक्शन, लोड क्षमता, नये पॉवर कनेक्शन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। बैठक में श्री राजेश गुप्ता (जिलाध्यक्ष उ0प्र0 उद्योग व्यापार मण्डल), श्री कौशल शर्मा (जिलाध्यक्ष उ0प्र0उद्योग व्यापार संगठन), श्री ओ0पी0 गुप्ता अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण, रावर्ट्सगंज, श्री विनय जायसवाल, श्री शरद जायसवाल, श्री आनन्द प्रताप जायसवाल, विमल अग्रवाल, एवं श्री कृष्ण कुमार (सहायक आयुक्त उद्योग) श्री नितिन प्रकाश सिंह (उद्यमी मित्र) आदि उपस्थित थे।

डीएम-एसपी ने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हो रही है परीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने आज आयोजित की जा

रही उ0प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु चन्द्रपाल इंटर कॉलेज गंगागंज, के0बी0 सिन्हा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के समय सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा जनपद के 11 परीक्षा केन्द्रों पर 08, 09 व 10 जून, 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पालियों में आयोजित की जा रही है। परीक्षार्थियों के आवागमन के दृष्टिगत सभी व्यापक प्रबंध किए गए है, जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो, परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा अधिकारी भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी कर रहे हैं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि आज की आयोजित उ0प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2768 अभ्यर्थी उपस्थित व 976 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2733 अभ्यर्थी उपस्थित व 1011 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 7488 अभ्यर्थियों में से 5501 अभ्यर्थी उपस्थित व 1987 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। निरीक्षण के समय जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

वाराणसी के बड़ागांव थाने में कवरेज करने गए पत्रकार से दुर्व्यवहार का आरोप, कार्रवाई की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी /हरहुआ। बड़ागांव थाना क्षेत्र में कवरेज करने गए एक पत्रकार के साथ थाना प्रभारी द्वारा कथित रूप से दुर्व्यवहार करने और अभद्र भाषा का प्रयोग करने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पत्रकारों में रोष व्याप्त है तथा मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई जा रही है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, बड़ागांव थाना क्षेत्र में हुए एक मारपीट के मामले में पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई को लेकर पीड़ित पक्ष की महिलाओं ने थाने के बाहर धरना-प्रदर्शन किया था। महिलाओं का आरोप था कि पुलिस ने मामले में एकतरफा कार्रवाई करते हुए एक नाबालिग के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया, जबकि दूसरे पक्ष के खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। बताया जाता है कि इस मामले की कवरेज के लिए जनवार्ता के पत्रकार दीनदयाल सिंह थाने पहुंचे थे। आरोप है कि कवरेज के दौरान थाना प्रभारी प्रवीण कुमार सिंह ने पत्रकार के साथ अभद्र व्यवहार किया तथा कार्रवाई और मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी। पत्रकार का दावा है कि उनके साथ अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया और उन्हें कवरेज करने से रोकने का प्रयास किया गया। घटना के संबंध में पत्रकारों का कहना है कि यदि मीडिया कर्मियों के साथ इस प्रकार का व्यवहार किया जाएगा, तो निष्पक्ष और स्वतंत्र पत्रकारिता प्रभावित होगी। पत्रकारों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी मौजूद है, जिसे लेकर विभिन्न स्तरों पर चर्चा हो रही है। वहीं, इस मामले में थाना प्रभारी अथवा पुलिस विभाग की ओर से समाचार लिखे जाने तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया प्राप्त नहीं हो सकी थी। वहीं ग्रामीणों ने बताया कि जब से थाना प्रभारी कमान संभाले हैं तब से एक दर्जन से अधिक चोरियां हुई जिसका खुलासा आज तक नहीं हुआ। वहीं आसपास तथा ग्रामीण के लोगों ने बताया कि थाना प्रभारी के रवैया से बाजार वासी व समाजसेवी सहित कई संगठनों के लोग नाखुश है।

भागवत कथा नियमित रूप से सुनने से जीवन की सारी व्यथा दूर होकर सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं-यशोदानंदन जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वृन्दावन। श्री लड्डू गोपाल सेवा ट्रस्ट,हरिहर आ?श्रम वृन्दावन में चल रही सात दिवसीय संगीतमय

श्रीमद् भागवत कथा के छठे दिन महाराज जी द्वारा श्री कृष्ण के मथुरा आगमन,कंश वध, गुरु कुल गमन, अपने माता-पिता तथा नाना को जेल से मुक्त कराना,उद्धव को वृन्दावन भेजना जहां उद्धव के ज्ञान का घमंड दूर करना और अंत में रूक्मिणी और कृष्ण के विवाह का प्रसंग विस्तार से सुनाया। दूर-दूर से आये श्रद्धालुओं जो विभिन्न प्रान्तों पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, बंगलौर, केरल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पंजाब के श्रोताओं ने पूरे प्रसंगों को तन्मयता और उत्साह, उल्लास के साथ सुनकर आनन्द उठाया। वृन्दावन में जब कंश कान्हा कै मारने विफल रहा तो धनुष यज्ञ के बहाने से मथुरा बुलवाया। जब कृष्ण और बलराम मथुरा में लोगों को दर्शन दे रहे थे,तभी उन्हें पूर्व जन्म में मंथरा बाजार में घूमती दिखाई दी तब भगवान ने उसके कूबर को ठीक किया। दोनों भाईयों की छवि देख पूरे मथुरा वासी अपने को धन्य समझ रहे थे, उनके आगमन की जानकारी मिलते ही जो भी जिस दशा में था,बांके बिहारी के दर्शन के लिये दौड़ पड़ा। यज्ञशाला के सामने खड़े मदमस्त हाथी को वश में किया। यज्ञशाला पहुंच कर उन्होंने धनुष को दो खण्डों में तोड़ दिया। उसके बाद दोनों भाई कंश की राजसभा में पहुंचे जहां कंश अखाड़े में पहलवानों के मल्लयुद्ध देख रहा था,कंश ने अपने पहलवानों को कृष्ण को मारने का आदेश दिया, लेकिन भगवान ने सभी पहलवानों को एक झटके में मार गिराया। उसके बाद उछलकर कंश के पहुंच कर उसकी चोटी पकड़ कर जमीन पर पटककर उसके प्राण ले लिये और मथुरा पर कब्जा कर लिया। जेल से अपने माता-पिता और नाना को मुक्त कर मथुरा के राजसिंहासन पर बैठाया।एक दिन माता देवकी भगवान कृष्ण को भोजन करा रही थी, किन्तु भोजन न कर रोते जा रहे थे,तो उनके मित्र उद्धव ने उसका कारण पूंछा। कृष्ण ने बताया कि उन्हें माता यशोदा की याद आ रही है, उसके साथ बृज की गोपीयों,तथा बाल सखा की याद आ रही है तुम गोकुल जा कर वहां के हाल आकर मुझे बताओं। उद्धव जी बहुत ज्ञानी थे, उन्होंने कहा कि कल ही जाकर आपको सब कुछ बताता हूं। कृष्ण मुस्कराये और कहा कि उद्धव जाना तुम्हारे वश में है किन्तु लौटना तुम्हारे वश में नहीं है। भगवान ने अपनी लकुटिया पहना कर कहा कि इससे बृजवासी ही तुमको पहचानेंगे।उद्धव रथ पर सवार होकर बृजधाम को चल पड़े। वृजधाम पहुंचकर उद्धव दृश्य देखकर रो पड़े। उन्होंने देखा कि पूरा बृज कृष्ण के वियोग में दुःखी होकर रो रहे हैं,पूरा तालाब आंसुओं से भरा हुआ था । यशोदा मइया से मिले तो देखा कि वह अपना शुद्ध-बुध को चुकी है। यशोदा जी कान्हा के बचपन की कहानी सुनाई। कान्हा के बाल सखा रोज सुबह तैयार होकर गाय चराने के स्थान पर कान्हा की राह देखते रहते हैं। उद्धव जी गोपियों को समझाते हैं कि अपना मन कान्हा के अतिरिक्त लगाओ। गोपियों ने कहा कि उद्धव जी हमारे पास केवल एक ही मन है और वह कान्हा के पास है।उद्धव जी का सारा ज्ञान प्रेम के आगे सब भूल गये,निरूत्तर हो गये, उन्होंने गोपियों को आश्वासन दिया कि वह शीघ्र ही कृष्ण को लेकर बृज में आयेंगे। लगभग छः माह बाद उद्धव मथुरा लौट आये। मथुरा आकर उन्होंने कृष्ण को गोपियों से किये गये आश्वासन के बारे में बताया और कहा कि आपको बृज चलना पड़ेगा। तब श्रीकृष्ण ने उन्हें दिखाया कि वह कभी भी बृज से दूर नहीं है और उद्धव ने देखा कि सभी बृजवासी पूर्व की भांति रोज काम काज निपटा रहे हैं।आगे महाराज जी ने कहा बताया कि रूक्मिणी का विवाह उनके भाई शिशुपाल से करना चाह रहे थे किन्तु रूक्मिणी इससे सहमत नहीं थीं, उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को पत्र भेजकर अपनी कथा सुनाई और उनसे निवेदन किया कि वह अपनी शरण में ले ले।एक दिन रूक्मिणी मंदिर पूजा करने गयी तभी कृष्ण वहां आ गये और रूक्मिणी को अपने साथ मथुरा ले आये जहां विधिवत् विवाह सम्पन्न हुआ। महाराज जी के गाये गये भजन चोरी करन गयो श्याम, श्याम तोरे बिना तो हम मर जाएंगे,मइया को सुनईयो तेरा सुत बहुत दुखी पायो, उद्धव मन न भरे दस बीस, आदि भजनों पर श्रोताओं द्वारा आनंदित हो कर नृत्य करते रहे हैं।

बाढ़ आपदा पर तहसील डलमऊ व लालगंज में फिजिकल मॉक एक्सरसाइज-2026 का आयोजन 11 जून को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सहदेव मिश्र ने बताया कि भारत सरकार के निर्देशानुसार अतिसंवेदनशील एवं संवेदनशील जनपदों में प्रत्यक्ष रूप से विभिन्न चरणों में आई0आर0एस0 (घ्हम्ाहू ोज्दहो एब्रुस) आधारित बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज-2026 का आयोजन/संचालन कराये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसमें 09 जून 2026 को सम्बन्धित विभागों द्वारा अपने-अपने कार्यालय से टेबल टॉप एक्सरसाइज (लखनऊ से ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग) प्रातः 10:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक आयोजित की जायेगी। इसी प्रकार 11 जून 2026 को मॉक एक्सरसाइज-2026 (मैदान पर शारीरिक आचरण) डलमऊ घाट, तहसील डलमऊ एवं गेगासों गंगा घाट तहसील लालगंज में बाढ़ आपदा पर फिजिकल मॉक एक्सरसाइज प्रत्येक स्थल पर सम्बन्धित विभागों द्वारा प्रतिभाग किया जायेगा।

सीडीओ की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को मुख्य

विकास अधिकारी अंजुलता की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की समीक्षा बैठक महात्मा गांधी सभागार विकास भवन में सम्पन्न हुयी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा योजना की कम/ खराब प्रगति पर अत्यन्त रोष प्रकट करते हुए बैठक में उपस्थित सभी बैंकों के जिला समन्वयकों/ शाखा प्रबंधकों को चेतावनी दी गयी कि यह स्थिति किसी भी दशा में स्वीकार्य नहीं है। यदि एक सप्ताह में योजना की प्रगति में सुधार परिलक्षित नहीं होता है तो कम/खराब प्रगति वाले बैंकों के जिला समन्वयकों/शाखा प्रबंधकों के विरूद्ध कार्यवाही करने हेतु उनके शीर्ष प्रबंधन को पत्र प्रेषित कर दिया जायेगा। बैठक में नवागत अग्रणी जिला प्रबंधक सुबोध कुमार मिश्रा द्वारा उपस्थित सभी बैंकर्स को स्वीकृति/वितरण की कार्यवाही में तेजी लाने एवं जिन शाखाओं में आवेदन नहीं है उनके द्वारा स्वंय इच्छुक लाभार्थियों के आवेदन योजनान्तर्गत करवाने हेतु निर्देशित किया गया एवं आवेदन में किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, रायबरेली में कार्यरत सी.एम. युवा फेलों से सम्पर्क करने हेतु अवगत कराया गया। उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में वार्षिक लक्ष्य को 33 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है जिसे प्रत्येक दशा में 31 दिसम्बर 2026 तक पूर्ण किया जाना है। उन्होंने सभी बैंकर्स प्रकरणों के स्वीकृति/वितरण के सम्बन्ध में सटीक एवं व्यापक रणनीति बनाते हुए स्वीकृति/वितरण की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

राष्ट्रीय नाई महासभा की शाहगढ़ शाखा का हुआ गठन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। मंगलवार को

राष्ट्रीय नाई महासभा की ब्लाक शाखा शाहगढ़ का गठन किया गया। जानकारी के अनुसार इस हेतु आयोजित बैठक में पूर्व अध्यक्ष गयाप्रसाद शर्मा को संरक्षक, राजेंद्र शर्मा को अध्यक्ष, इस्लाम सलमानी उपाध्यक्ष, परमात्मा दीन उपाध्यक्ष, बबलू शर्मा महासचिव, अरुण शर्मा सचिव, ओम प्रकाश उपसचिव, ऋषी शर्मा सहसचिव, नन्हें लाल प्रचार मंत्री , मथुरा चौधरी संगठन मंत्री, शिवबरन उप संगठन मंत्री, के अलावा घनश्याम शर्मा प्रांतीय उपाध्यक्ष, रामराज, रामसुख, बैजनाथ, भगौती प्रसाद भी मौजूद रहे। पूर्व में नियुक्त प्रदेश महासचिव रामयश शर्मा की निगरानी व जिलाध्यक्ष रामबरन शर्मा की अध्यक्षता में यह बैठक सम्पन्न हुई।

आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती के मद्देनज़र सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया

प्रयागराज। सोमवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड, लखनऊ द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 हेतु दिनांक 08, 09 एवं 10 जून, 2026 को आयोजित लिखित परीक्षा को निर्धारित प्रक्रियानुसार सकुशल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, नकलविहीन व शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत सोमवार को परीक्षा के प्रथम दिवस पर कर्नलगंज इंटर कॉलेज, जगत तारन गर्ल्स इंटर कॉलेज सहित अन्य विद्यालयों में बनाये गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया तथा सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित रखने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुए परीक्षा को सकुशल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर बनाये हुए सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर कैमरो के माध्यम से हो रही मॉनिटरिंग को भी देखा। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों से परीक्षा केंद्रों पर विद्युत ,पेयजल ,शौचालय आदि की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित रखने के निर्देश दिए हैं।

छात्रों के सुनहरे भविष्य की चाभी,जून के हर शनिवार को मनेगा 'मेगा अपार डे', 13 जून को विशेष शिविर

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्योहारी/शहडोल। जिले के स्कूली छात्रों के व्यापक हित और उनके शैक्षणिक रिकॉर्ड को डिजिटल रूप से सुरक्षित रखने के लिए जिले में 'अपार आईडी' कार्ड बनाने का महाअभियान तेजी से जारी है। कलेक्टर डॉ केदार सिंह एवं जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति जेडी उमेश धुर्वे के मार्ग निर्देशन में छात्र हित को सर्वोपरि रखते हुए शिक्षा विभाग ने एक बड़ा निर्णय लिया है। जून माह के प्रत्येक शनिवार को जिले के सभी क्षेत्रों में 'मेगा अपार डे' का आयोजन किया जाएगा। इस क्रम में अगला भव्य जिला में 'मेगा अपार डे' आगामी 13 जून को आयोजित होने जा रहा है। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग की बड़ी पहल

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ ने संयुक्त रूप से सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि कोई भी छात्र इस महत्वपूर्ण डिजिटल पहचान से वंचित न रहे। जिला शिक्षा अधिकारी आर.के. मंगलानी और जिला परियोजना समन्वयक अमरनाथ सिंह ने सभी विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं ब्लॉक रिसोर्स केंद्र समन्वयक को जमीनी स्तर पर इसकी शत-प्रतिशत मॉनिटरिंग के आदेश दिए हैं। संकुल प्राचार्यों को निर्देश : हर सप्ताह लगाएं विशेष कैंप डीईओ आर.के. मंगलानी और डीपीसी अमरनाथ सिंह ने सख्त लहजे में कहा है कि सभी संकुल प्राचार्य अपने-अपने क्षेत्र के स्कूलों में हर सप्ताह अनिवार्य रूप से 'विशेष कैंप' का आयोजन करें। इन शिविरों के माध्यम से छूटे हुए सभी विद्यार्थियों की अपार आईडी वन नेशन, वन स्टूडेंट आईडी' प्राथमिकता के आधार पर बनाई जाएगी। ब्योहारी विकासखंड अधिकारी श्री ब्रह्मानंद श्रीवास्तव ने बताया क्या है अपार आईडी और क्यों है जरूरी? यह केंद्र सरकार की 'वन नेशन, एक स्टूडेंट आईडी' योजना का हिस्सा है, जो छात्र के जीवनभर काम आएगी। इसमें छात्र के खेलकूद, परीक्षा परिणाम, छात्रवृत्ति और अन्य शैक्षणिक उपलब्धियां डिजिटल रूप से दर्ज रहेंगी।और स्कूल बदलने या कॉलेज एडमिशन के समय कागजी दस्तावेजों की जरूरत नहीं पड़ेगी। शिक्षा विभाग ने सभी पालकों और छात्रों से अपील की हैं कि वे आगामी 13 जून (शनिवार) को अपने नजदीकी संकुल केंद्र या स्कूल में आयोजित होने वाले विशेष कैंप में पहुंचकर अपनी 'अपार आईडी' अनिवार्य रूप से बनवाएं। बीआरसी मनोज केसरवानी का संदेश :'अपार आईडी केवल एक पहचान पत्र नहीं है, बल्कि यह हमारे विद्यार्थियों के पूरे शैक्षणिक सफर का एक सुरक्षित डिजिटल लॉकर है। ब्योहारी विकासखंड का कोई भी पात्र छात्र इस सुविधा से वंचित न रहे, इसके लिए सभी शिक्षक मिशन मोड में काम करें और अभिभावकों को इसके महत्व से अवगत कराएं।'

महंगाई की आग में जनता को झोंक रही डबल इंजन सरकार, रसोई गैस पर 29 रुपये की बढ़ोतरी जनविरोधी फैसला - सुरेश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। रसोई गैस सिलेंडर के दाम में 29 रुपये की बढ़ोतरी पर कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष एवं सदर विधान सभा के प्रभारी सुरेश सिंह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार लगातार आम जनता की जेब पर डाका डालने का काम कर रही है। पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे गरीब, किसान, मजदूर, कर्मचारी और मध्यम वर्गीय परिवारों पर यह नया आर्थिक बोझ पूरी तरह जनविरोधी और असंवेदनशील निर्णय है। श्री सिंह ने कहा कि आखिर सरकार यह बताए कि हर बार महंगाई का बोझ केवल आम जनता पर ही क्यों डाला जाता है? रसोई गैस, पेट्रोल, डीजल, खाद्य पदार्थों से लेकर रोजमर्रा की जरूरतों की वस्तुओं तक के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, लेकिन सरकार के पास जनता को राहत देने का कोई ठोस रोडमैप दिखाई नहीं देता।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व यदि पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, सोना-चांदी अथवा अन्य आवश्यक वस्तुओं के दामों में नाममात्र की भी वृद्धि होती थी, तो भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरकर धरना-प्रदर्शन करते थे। तत्कालीन सरकार को घेरते हुए ऐसा माहौल बनाया जाता था मानो महंगाई ने उनके घरों के चूल्हे ठंडे कर दिए हों। श्री सिंह ने सवाल उठाया कि आज जब पेट्रोल, डीजल और गैस की कीमतों में एकमुश्त वृद्धि की जा रही है तथा लगातार आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ाया जा रहा है, तब वे सभी भाजपाई आखिर कहां चले गए हैं जो कभी महंगाई के नाम पर आंदोलन खड़ा कर देते थे? क्या जनता की परेशानी केवल विपक्ष में रहते हुए दिखाई देती थी? क्या सत्ता में आने के बाद महंगाई जनता का नहीं, बल्कि सरकार का मुद्दा बन जाती है? सिंह ने केन्द्र की मोदी एवं उ0प्र0 की योगी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार के दावे रास नयी आ रहें।

राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय जुलाई से शुरू करेगा एआई एवं मशीन लर्निंग कौशल पाठ्यक्रम

मुक्त विश्वविद्यालय, आईबीएम एवं रूट टू रूट्स के मध्य त्रिपक्षीय सहयोग पर विस्तृत चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में मंगलवार को कृत्रिम मेधा, मशीन लर्निंग कौशल विकास तथा उद्योग-आधारित तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय, ट्रांसन्यूरो आईबीएम तथा रूट टू रूट्स के प्रतिनिधियों के मध्य प्रस्तावित त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में शिक्षा, कौशल विकास,उद्योग-अकादमिक सहयोग, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, डिजिटल प्रौद्योगिकी तथा नवाचार आधारित पाठ्यक्रमों के विकास से संबंधित विषयों पर गहन चर्चा हुई। तीनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को वर्तमान एवं भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित करने तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रोजगार अवसरों के लिए तैयार करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि वर्तमान समय में कृत्रिम मेधा एवं मशीन लर्निंग विश्व स्तर पर शिक्षा, उद्योग, स्वास्थ्य, कृषि, वित्त,प्रशासन तथा अनुसंधान के क्षेत्रों में क्रांतिकारी परिवर्तन ला रहे हैं। ऐसे में

विद्यार्थियों को इन उभरती हुई तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य केवल डिग्री प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को रोजगारपरक एवं भविष्य उन्मुख कौशलों से सशक्त बनाना भी है। प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि प्रस्तावित समझौते के अंतर्गत कृत्रिम मेधा (ए आई), मशीन लर्निंग (एम एल), डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल स्किल्स तथा उद्योगोन्मुख तकनीकी दक्षताओं से संबंधित अल्पकालिक एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा आधुनिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा जिससे उनकी रोजगार क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के सक्षम निकायों से अनुमोदन प्राप्त होने के उपरांत आगामी शैक्षिक सत्र जुलाई 2026 से इन कौशल आधारित पाठ्यक्रमों का संचालन प्रारंभ करने की योजना है । इन पाठ्यक्रमों में इंटरमीडिएट उत्तीर्ण, स्नातक स्तर के विद्यार्थी तथा तकनीकी कौशल प्राप्त करने के इच्छुक अन्य शिक्षार्थी भी प्रवेश ले सकेंगे। विश्वविद्यालय की दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले युवाओं को भी इन पाठ्यक्रमों का लाभ प्राप्त होगा।कुलपति ने कहा कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय रोजगारपरक कौशल आधारित एवं उद्योग समर्थित शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है । यह पहल प्रदेश के हजारों युवाओं को उभरती तकनीकों में दक्ष बनाकर उन्हें राष्ट्रीय एवं वैश्विक रोजगार बाजार में प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी । बैठक में ट्रांसन्यूरो आईबीएम एवं रूट टू रूट्स के प्रतिनिधियों ने भी विद्यार्थियों को नवीनतम तकनीकी ज्ञान उद्योग अनुभव तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय के साथ दीर्घकालिक सहयोग की प्रतिबद्धता व्यक्त की। विश्वविद्यालय के जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि यह त्रिपक्षीय सहयोग उच्च शिक्षा कौशल विकास एवं उद्योग जगत के मध्य एक सशक्त सेतु स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है, जिससे प्रदेश के युवाओं को भविष्य की तकनीकों में दक्षता प्राप्त करने के साथ-साथ बेहतर रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। बैठक में विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिकारियों, शिक्षकों एवं दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की तथा प्रस्तावित सहयोग के विभिन्न आयामों पर अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

सुशासन के 12 स्वर्णिम वर्ष पूर्ण होने पर विकास खंड कोन में संवाद कार्यक्रम आयोजित,पीएम/सीएम के नेतृत्व में देश और प्रदेश ने विकास की नई ऊंचाइयों को किया स्पर्श- भूपेश चौबे

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 140 करोड़ देशवासियों की सेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास खंड कोन में संवाद कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर सदर विधायक माननीय श्री भूपेश चौबे जी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश और प्रदेश ने विकास, सुशासन, आधारभूत संरचना, गरीब कल्याण तथा आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार की नीतियों का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना सर्वोच्च प्राथमिकता है। विधायक ने कहा कि पिछले वर्षों में गरीब, किसान, महिला, युवा एवं वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की गई हैं, जिनसे जनसामान्य के जीवन स्तर में सकारात्मक परिवर्तन आया है। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी श्री जटाशंकर दुबे सहित अन्य अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। संवाद कार्यक्रम के दौरान सरकार की उपलब्धियों, विकास योजनाओं एवं भविष्य की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा ग्रामीणों के साथ संवाद स्थापित कर उनके सुझाव भी प्राप्त किए गए। कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण जनमानस ने सरकार की जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों के प्रति अपना विश्वास व्यक्त किया।

फ्रेट स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत प्रयागराज हेतु व्यापक सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार करने पर मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। शहरी लॉजिस्टिक्स को सुदृढ़ बनाने तथा फ्रेट परिवहन व्यवस्था को अधिक कुशल, सुरक्षित एवं व्यवस्थित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा चयनित 75 फ्रेट स्मार्ट शहरों में प्रयागराज को भी शामिल किया गया था। इसी क्रम में जनपद के लिए व्यापक सिटी लॉजिस्टिक्स प्लान तैयार किए जाने के संबंध में मंडलायुक्त श्रीमती सौम्या अग्रवाल की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय स्थित गांधी सभागार में सिटी लॉजिस्टिक्स समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रयागराज में फ्रेट मूवमेंट को अधिक प्रभावी एवं सुगम बनाने तथा शहर में यातायात दबाव कम करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस दौरान अयोध्या रोड पर ट्रांसपोर्ट नगर, रीवा रोड पर ट्रक टर्मिनल-1, कानपुर रोड पर ट्रक टर्मिनल-2, झांसी मार्ग पर ट्रक टर्मिनल-3 तथा सूबेदारगंज के निकट ट्रक पार्किंग विकसित किए जाने के प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। इसके अतिरिक्त नैनी एवं लखनऊ रोड पर वेयरहाउस विकसित करने तथा लखनऊ रोड, अयोध्या रोड एवं मुंडेरा मंडी के समीप विभिन्न स्थानों पर कोल्ड स्टोरेज स्थापित करने के प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। झूंसी में थोक बाजार तथा नैनी क्षेत्र में लॉजिस्टिक्स पार्क विकसित किए जाने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। बैठक में प्रस्तुत रिपोर्ट के माध्यम से बताया गया कि भारत की अर्थव्यवस्था में शहरों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरी क्षेत्रों का योगदान 63 प्रतिशत से अधिक है। तीव्र आर्थिक विकास एवं शहरीकरण के कारण शहरी फ्रेट परिवहन की मांग निरंतर बढ़ रही है तथा वर्ष 2030 तक इसमें लगभग 140 प्रतिशत वृद्धि होने का अनुमान है। यदि शहरी फ्रेट परिवहन प्रणाली का समुचित नियोजन एवं प्रभावी प्रबंधन नहीं किया गया तो अनावश्यक यात्राओं, बढ़ते यातायात दबाव, उच्च लॉजिस्टिक्स लागत तथा पर्यावरणीय चुनौतियों जैसी समस्याएं और अधिक गंभीर हो सकती हैं। भारत सरकार द्वारा फ्रेट स्मार्ट सिटीज योजना के माध्यम से 75 शहरों में वैज्ञानिक दक्षता बढ़ाना, आर्थिक गतिविधियों को गति प्रदान करना, सुरक्षित एवं सुगम शहरी वातावरण सुनिश्चित करना तथा न्यूनतम लागत पर अधिकतम विश्वसनीयता के साथ लॉजिस्टिक्स सेवाएं उपलब्ध कराना है। बैठक में यह भी उल्लेख किया गया कि उत्तर प्रदेश ने एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रधानमंत्री गतिशक्ति प्लेटफॉर्म के माध्यम से अंतिम छोर (लास्ट-माइल) की कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने, आर्थिक क्षेत्रों एवं औद्योगिक पार्कों को बेहतर अवसंरचनात्मक सुविधाओं से जोड़ने तथा व्यापार एवं उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसके साथ ही भंडारण एवं हैंडलिंग क्षमता में वृद्धि, परिवहन समय में कमी तथा समग्र लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। कृषि क्षेत्र में भी फसल कटाई के उपरांत होने वाली हानियों को कम करने के लिए वेयरहाउस, कोल्ड स्टोरेज एवं अन्य आवश्यक अवसंरचनात्मक सुविधाओं के विकास के साथ-साथ मल्टीमोडल परिवहन एवं ट्रांसफर प्रणाली को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे कृषि उत्पादों की लागत प्रभावी एवं त्वरित आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। बैठक में मंडलायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रस्तावित परियोजनाओं का विस्तृत एवं गहन अध्ययन करते हुए उनसे जुड़े सभी हितधारकों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। उन्होंने आवश्यकता के अनुसार संबंधित हितधारकों को अगली बैठक में आमंत्रित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही, सभी प्रस्तावों का विस्तृत प्रारूप तैयार कर अगली बैठक में प्रस्तुत करने को कहा, ताकि उनका सम्यक परीक्षण कर आवश्यक संस्तुति सहित विस्तृत विवरण अग्रेतर कार्यवाही हेतु शासन को प्रेषित किया जा सके।

डीएम-एसपी ने परीक्षा को सकुशल सम्पन्न कराए जाने हेतु विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण

जनपद के 11 परीक्षा केंद्रों पर सम्पन्न हो रही है परीक्षा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका व पुलिस अधीक्षक रवि कुमार ने आज आयोजित की जा रही 30प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को नकल विहीन, पारदर्शी एवं सकुशल संपन्न कराने हेतु राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, देदौर इण्टर कॉलेज सहित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के समय सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी, यातायात व्यवस्था की जांच की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने बताया कि उक्त परीक्षा जनपद के 11 परीक्षा केन्द्रों पर 08, 09 व 10 जून, 2026 को प्रत्येक दिवस को दो पालियों में आयोजित की जा रही है।परीक्षार्थियों के आवागमन के दृष्टिगत सभी व्यापक प्रबंध किए गए है, जिससे परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की कोई असुविधा न हो, परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है तथा अधिकारी भ्रमणशील रहकर लगातार निगरानी कर रहे हैं। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ ने बताया कि आज की आयोजित 30प्र0 पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा में प्रथम पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2783 अभ्यर्थी उपस्थित व 961 अभ्यर्थी अनुपस्थित एवं द्वितीय पाली में कुल 3744 अभ्यर्थियों में से 2804 अभ्यर्थी उपस्थित व 940 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें, इस प्रकार दोनों पालियों में कुल 7488 अभ्यर्थियों में से 5587 अभ्यर्थी उपस्थित व 1901 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहें। निरीक्षण के समय अपर पुलिस अधीक्षक अलोक सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक संजीव कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहें।

45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद, 03 अभियोग पंजीकृत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। सोमवार को बछरावा अंतर्गत ग्राम - पासी टूसी एवं मदन टूसी में अवैध कच्ची शराब बनाने के अड्डों/संदिग्ध घरों में दबिश के दौरान जनपद में कुल 45 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 03 अभियोग आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में पंजीकृत किये गए।

जिले में अवैध शराब के निर्माण एव बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने हेतु इस तरह की कार्यवाही आगे भी जारी रहेंगी।

जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के आदेशानुसार अवैध शराब के निर्माण, बिक्री एवं तस्करी के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान के अन्तर्गत जिला आबकारी अधिकारी के नेतृत्व में, आबकारी निरीक्षक क्षेत्र- 2 रोबिन आर्य मय हमराह द्वारा विभिन्न स्थानों पर दबिश की कार्यवाही की गयी। टीम द्वारा महराजगंज तहसील के थाना-

शाहनवाज हुसैन प्रयागराज में

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन जी आज प्रयागराज के जिला यमुना पार उपाध्यक्ष श्रीमती सविता मिश्रा जी के आवास पर उनके पति श्री उमाशंकर शर्मा का हाल-चाल जानने के लिए नैनी स्थित आवास पर आगमन पर भारतीय जनता पार्टी के जमुना पार के जिला अध्यक्ष श्री राजेश शुक्ला जी श्रीमती सविता मिश्रा जी व भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री सत्यम शुक्ला जी व सोमेश्वर मंडल व नैनी मंडल की टीम के द्वारा स्वागत किया गया । जिसमें मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष श्री हरे कृष्णा पांडे ,श्री गणेश पांडे ,श्री अभिषेक तिवारी,पार्षद दिलीप केसरवानी , श्री बनवारी लाल शिवदानी सिंह , समर सिंह दिनेश पटेल मोहित अग्रहरि राजू जायसवाल विनय सिंह, कमलेश पांडे , रणविजय सिंह श्याम मिश्रा आदि लोगों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया।

वंदन योजना के प्रस्तावों की हुई समीक्षा बैठक,धार्मिक स्थलों पर अवस्थापना एवं सौंदर्यीकरण कार्यों के निर्देश

ऑडिटोरियम एवं स्मार्ट रोड निर्माण हेतु भूमि चयन के निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। सोमवार को जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में नगरीय निकायों में संचालित 'वंदन' योजना के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों पर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.), विभिन्न नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारी, अवर अभियंता, लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण), सूचना विभाग एवं पर्यटन विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर पंचायत घोरावल, दुद्धी, पिपरी, रेनुकूट एवं चुर्क-घुमा द्वारा विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के विकास से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए। बैठक में विभिन्न मंदिरों एवं पौराणिक स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु यात्री शेड, हाल, संपर्क मार्ग एवं अन्य अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण संबंधी प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि चयनित ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों पर आधारभूत सुविधाओं के विकास के साथ-साथ शासनादेश के अनुरूप सौंदर्यीकरण कार्य भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। उन्होंने वास्तुविदों से परामर्श लेकर तीन दिवस के भीतर और अधिक प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सीएसआर, विधायक निधि एवं अन्य मदों से धनराशि उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करने को कहा। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को नगर पालिका परिषद सोनभद्र क्षेत्र में एक आधुनिक ऑडिटोरियम तथा स्मार्ट रोड के निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि एवं सड़क का चयन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भविष्य की आवश्यकताओं एवं जनसुविधाओं को ध्यान में रखते हुए ऐसे विकासात्मक कार्यों की कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे नगर क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हो सके और नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

उद्यमी/व्यवसायी के साथ संवाद कार्यक्रम स्थानीय कार्यालय पर संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र द्वारा आयोजित उद्यमी/ व्यवसायी के साथ संवाद कार्यक्रम स्थानीय कार्यालय पर उपायुक्त उद्योग विनोद चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में उद्योग एवं व्यापार जगत से जुड़े प्रतिनिधियों ने भाग लेकर अपने सुझाव समस्याएं एवं अपेक्षाएं विभागीय अधिकारियों के समक्ष रखीं। संवाद कार्यक्रम में केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा उद्योग व्यापार निवेश रोजगार तथा एमएसएमई क्षेत्र के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले वर्षों में उद्योग स्थापना की प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया है जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित हुए। उद्यमियों एवं व्यापारियों ने वित्तीय सहायता,बैंक ऋण स्वीकृत, सिंगल विंडो सिस्टम की प्रभावशीलता स्थानीय युवाओं को रोजगार औद्योगिक आधारभूत सुविधाओं के विकास तथा विपणन सहायता जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विभागीय अधिकारियों ने समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन देते हुए कहा कि उद्योग में व्यापार के अनुकूल वातावरण तैयार करना सरकार की प्राथमिकता है। उत्तर प्रदेश उद्योग

व्यापार संगठन के जिला अध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि स्थानीय उत्पादों के विपणन एवं ब्रांडिंग के लिए जो कार्य योजना तैयार की गई है उसे कार्यशाला आयोजित करके व्यापारियों को जानकारी दी जाए। श्री शर्मा ने कहा कि सोनभद्र जैसे औद्योगिक जनपद में स्थानीय युवाओं को उद्योगों में प्राथमिकता से रोजगार दिलाने तथा स्थानीय उद्यमियों को बड़े उद्योगों की आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने के लिए उद्योग विभाग, एवं रोजगार कार्यालय की ठोस कार्य योजना तैयार की जाए। जिससे यहां ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को रोजगार मिल सके। उन्होंने कहा कि निवेशकों और स्थानीय व्यापारियों के बीच समन्वय बढ़ाया जाए एवं जिले में बंद या बीमार उद्योगों को पुनर्जीवित कर लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। शर्मा ने कहा उद्यमियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए प्रभावी तंत्र सक्रिय किया जाए एवं औद्योगिक क्षेत्रों में बिजली ,सड़क, पानी जैसे मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई जाए। उन्होंने कहा कि एमएसएमई इकाइयों को मिलने वाली सरकारी योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा स्थानीय लोगों को दिया जाए। नए उद्यमियों को प्रशिक्षण एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए। बैठक में मुख्य रूप से अधिशासी अभियंता विद्युत वितरण खंड, लीड बैंक अधिकारी, उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल से विमल अग्रवाल मनोज जालान, उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष,राजेश गुप्ता, आनंद जायसवाल उद्योग व्यापार संगठन से शरद जायसवाल, नागेंद्र मोदनवाल, विनय जायसवाल, दिनेश सिंह, सहित तमाम व्यापारी एवं उद्यमी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बाल कलाकारों ने भजन संध्या में जलवा बिखेरा,वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को उमड़ी भीड़

वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया, विराट रुद्र महायज्ञ के पांचवें दिन यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर लगाए गए जयकारे, प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से दी जा रही आहुति, प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण, कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में चल रहा है आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में मंगलवार को पांचवें दिन विराट रुद्र महायज्ञ में अपने माता-पिता के साथ पहुंचे राष्ट्रीय बाल कलाकार यज्ञ मंडप की परिक्रमा करने के बाद भिखारी बाबा का आशीर्वाद लिया और भजन संध्या कार्यक्रम में जलवा बिखेरा। बाल कलाकार अपने माता पिता के साथ शिव मंदिर में रुद्राभिषेक पूजन भी किया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया। वहीं वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भीड़ उमड़ पड़ी। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रूद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से प्रतिदिन आहुति दी जा रही हैं। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और जयकारे लगाए। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वाराणसी से यज्ञ स्थल पर पहुंचे मनीष कुमार ने बताया कि उनके तीनों बच्चे श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण राष्ट्रीय बाल कलाकार हैं। इन्हें प्रदेश के राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। तीनों बच्चे हारमोनियम बजाकर भजन गायन करते हैं। पिछले वर्ष 2025 में प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित अयोध्या नंदीग्राम महोत्सव में भी बाल कलाकारों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें अपने कला का बच्चों ने प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। यहां पर भिखारी बाबा ने बाल कलाकारों को भजन संध्या में कार्यक्रम की प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया है।

रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से प्रतिदिन आहुति दी जा रही हैं। भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने यज्ञ मंडप की परिक्रमा की और जयकारे लगाए। इस दौरान समूचा यज्ञ स्थल जयकारे से गुंजायमान हो गया। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। वाराणसी से यज्ञ स्थल पर पहुंचे मनीष कुमार ने बताया कि उनके तीनों बच्चे श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण राष्ट्रीय बाल कलाकार हैं। इन्हें प्रदेश के राज्यपाल द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है। तीनों बच्चे हारमोनियम बजाकर भजन गायन करते हैं। पिछले वर्ष 2025 में प्रदेश सरकार की ओर से आयोजित अयोध्या नंदीग्राम महोत्सव में भी बाल कलाकारों को आमंत्रित किया गया था, जिसमें अपने कला का बच्चों ने प्रदर्शन कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया था। यहां पर भिखारी बाबा ने बाल कलाकारों को भजन श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने लवकुश लीला का प्रदर्शन कर सभी को मन्त्रमुग्ध कर दिया। वहीं श्री राम कृष्ण ने हारमोनियम बजाकर भजन, गीत, गजल सुनाकर जलवा बिखेरा। उन्होंने बताया कि उनकी धर्मपत्नी कृति सागर कवयित्री हैं। उधर वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। देर रात तक रासलीला कार्यक्रम चलता रहा और लोग आनंद का लुत्फ उठाते रहे। इस मौके पर नरेश चंद्र उमर वैश्य, रूपा गुप्ता, विजय सिंह, इंद्रवीर, केवलानंद महाराज, हरिनंद, देवेंद्र कुमार, दिनेश, उषा देवी, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, कलावती देवी, दाऊदयाल, राजेश, शुभराम महाराज, राजेंद्र महाराज, रामखेलावन, प्रहलाद, मुन्ना बाबा, परमानंद, रमेश कुमार, शशि देवी, किरन मोदनवाल, संगीता, विमला देवी, कालो देवी, हीरा सिंह, डॉक्टर विजय आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी के नेतृत्व में भगवान बिरसा मुण्डा जी के पुण्यतिथि पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन किया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर

भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल जी के नेतृत्व में भगवान बिरसा मुण्डा जी के पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर कार्यकर्ताओं के साथ माल्यार्पण व पुष्पार्चन किया।

इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्द लाल ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन महान जननायकों में शामिल हैं, जिन्होंने आदिवासी समाज के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए अंग्रेजी हुकूमत को खुली चुनौती दी थी।

उनका जन्म 15 नवंबर 1875 को तत्कालीन बिहार (वर्तमान झारखंड) के उलिहातू गांव में एक साधारण आदिवासी परिवार में हुआ था। कम उम्र में ही उन्होंने आदिवासी समुदाय पर हो रहे शोषण, अन्याय और अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों को करीब से देखा।

उस दौर में आदिवासियों को उनकी जमीनों और जंगलों से बेदखल किया जा रहा था। इसके विरोध में बिरसा मुंडा ने लोगों को संगठित किया और अधिकारों की लड़ाई का बिगुल फूंका। जल, जंगल और जमीन की लड़ाई बिरसा मुंडा का मानना था कि जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों का प्राकृतिक अधिकार है।

उन्होंने इन संसाधनों की रक्षा को केवल आर्थिक नहीं, बल्कि पहचान, संस्कृति और अस्तित्व से जुड़ा मुद्दा माना।

इसी सोच के साथ उन्होंने आदिवासी समाज को जागरूक किया और अन्याय के खिलाफ खड़े होने का संदेश दिया।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष अनुसूचित जनजाति मोर्चा अमरेश चेरो, जिला महामंत्री अनुसूचित जनजाति शंभू गोंड, रामलाल अगरिया, ज्योति खरवार, जिला महामंत्री संतोष शुक्ला, जिला उपाध्यक्ष बृजेश श्रीवास्तव, महेश्वर चन्द्रवंशी, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा पुष्पा सिंह, मीनू चौबे, गुड़िया त्रिपाठी, अमन वर्मा, बलराम सोनी, अतुल पाण्डेय, मनोज सोनकर, चांदप्रकाश जैन, कैलास त्रिपाठी, दिलिप पाण्डेय सहित आदि कार्यकर्ता पदाधिकारीगण मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

डिशवॉशिंग लिक्विड में खतरनाक रसायन हो सकते हैं-केमिकल फ्री प्रोडक्ट लें, बरतें 11 सावधानियां

नयी दिल्ली। बर्तन धोने के लिए ज्यादातर लोग डिशवॉशिंग

लिक्विड या सोप इस्तेमाल करते हैं। इसके बाद हमें ये तसल्ली हो जाती है कि बर्तन साफ और सुरक्षित हैं। लेकिन क्या आपने कभी ये सोचा है कि साफ व चमकते हुए बर्तन भी हमारी सेहत को नुकसान पहुंचा सकते हैं। दरअसल कुछ डिशवॉशिंग लिक्विड के केमिकल अवशेष बर्तनों पर रह सकते हैं। ये केमिकल्स खाने के साथ शरीर में जा सकते हैं। इस बारे में फरवरी, 2023 में 'द जर्नल ऑफ एलर्जी एंड क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी' में एक स्टडी पब्लिश हुई। इसके मुताबिक, डिशवॉशर में इस्तेमाल होने वाले रिंस एजेंट्स के अवशेष आंतों की प्रोटेक्टिव लेयर को डैमेज कर सकते हैं। कुछ केमिकल हॉर्मोनल असंतुलन और एलर्जी की वजह बन सकते हैं। इसलिए आज हम डिशवॉशिंग लिक्विड के इस्तेमाल से होने वाले नुकसान की बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-डिशवॉशिंग लिक्विड में कौन-से केमिकल्स होते हैं? इसके क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं? बर्तन साफ करने का

सुरक्षित तरीका क्या है? एक्सपर्ट डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से-

सवाल- डिशवॉशिंग लिक्विड क्या है और यह कैसे काम करता है?

जवाब- यह एक क्लीनिंग प्रोडक्ट है, जिससे बर्तन साफ किए जाते हैं। इससे बर्तनों में चिपका तेल और गंदगी आसानी से हट जाते हैं। इसमें मौजूद सर्फैक्टेंट तेल और गंदगी को छोटे कणों में तोड़ देते हैं, जो पानी के साथ बह जाते हैं। कुछ लिक्विड और सोप में एंजाइम व हार्ड अल्कलाइन्स भी होते हैं, जो जिद्दी दाग और जमी चिकनाई को साफ करते हैं।

सवाल- डिशवॉशिंग लिक्विड में कौन से केमिकल्स हो सकते हैं?

जवाब- इनमें सर्फैक्टेंट्स, फ्रेगरेंस, प्रिजर्वेटिव्स, डाई और एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स हो सकते हैं। इसके अलावा कुछ अन्य केमिकल्स इनडायरेक्टली मौजूद हो सकते हैं। ये ब्रांड्स के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। नीचे दिए ग्राफिक में डिशवॉशिंग लिक्विड में यूज होने वाले संभावित केमिकल्स की लिस्ट देखिए-सर्फैक्टेंट (एसएलएस,एसएलईसी) फ्रेगरेंस खुशबू के लिए। थैलेट्स खुशबू रोकने के लिए। ट्राइक्लोसन एंटीबैक्टीरियल एजेंट।

सवाल- क्या बर्तन धोने के बाद भी डिशवॉशिंग सोप के बारीक पार्टिकल्स बर्तन में छूटे रह सकते हैं? जवाब- हां, ज्यादा लिक्विड इस्तेमाल करने या बर्तनों को ठीक से रिंस न करने पर सूक्ष्म केमिकल अवशेष रह सकते हैं। ये दिखाई नहीं देते, लेकिन खाने के जरिए शरीर में जा सकते हैं। सवाल- डिशवॉशिंग सोप के ये छोटे पार्टिकल्स हमारी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचा सकते हैं? जवाब- ये सूक्ष्म कण खाने के साथ शरीर में जा सकते हैं। इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- डिशवॉशिंग लिक्विड में आर्टिफिशियल फ्रेगरेंस होती है। क्या इसे इनहेल करना भी नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, इससे कुछ लोगों में नाक-गले में जलन, छींक, सिरदर्द, एलर्जी और सांस संबंधी दिक्कत हो सकती है।

सवाल- क्या डिशवॉशर में बर्तन धुलने पर भी केमिकल इनहेलिंग का रिस्क होता है? जवाब- हां, डिशवॉशर की भाप के साथ कुछ केमिकल हवा में मिल सकते हैं। मशीन खोलते समय यह भाप सांस के जरिए अंदर जा सकती है, जिससे कुछ लोगों में जलन या सांस की परेशानी हो सकती है।

सवाल- बर्तन धोने का सुरक्षित तरीका क्या है? जवाब- इसके लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें- कम मात्रा में डिशवॉशिंग लिक्विड इस्तेमाल करें। बर्तनों को बहते साफ पानी में अच्छी तरह रिंस करें। तेज खुशबू और ज्यादा केमिकल वाले प्रोडक्ट से बचें। फ्रेगरेंस-फ्री या कम केमिकल वाला विकल्प चुनें। बर्तन धोते समय दस्ताने पहनें और किचन में वेंटिलेशन रखें। बर्तन धुलने के बाद हाथों को अच्छी तरह साफ पानी से धोएं। डिशवॉशर इस्तेमाल करते समय सही मात्रा और सही मोड का चयन करें।

सवाल- डिशवॉशिंग लिक्विड चुनते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? जवाब- मार्केट

इंग्रीडिएंट वाले प्रोडक्ट चुनें। बारीक पार्टिकल्स बर्तन में छूटे रह सकते हैं? जवाब- हां, ज्यादा लिक्विड इस्तेमाल करने या बर्तनों को ठीक से रिंस न करने पर सूक्ष्म केमिकल अवशेष रह सकते हैं। ये दिखाई नहीं देते, लेकिन खाने के जरिए शरीर में जा सकते हैं। सवाल- डिशवॉशिंग सोप के ये छोटे पार्टिकल्स हमारी सेहत को कैसे नुकसान पहुंचा सकते हैं? जवाब- ये सूक्ष्म कण खाने के साथ शरीर में जा सकते हैं। इससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सवाल- डिशवॉशिंग लिक्विड में आर्टिफिशियल फ्रेगरेंस होती है। क्या इसे इनहेल करना भी नुकसानदायक हो सकता है? जवाब- हां, इससे कुछ लोगों में नाक-गले में जलन, छींक, सिरदर्द, एलर्जी और सांस संबंधी दिक्कत हो सकती है। से डिशवॉशिंग लिक्विड खरीदते समय कुछ बातों का खास ख्याल रखें। जैसेकि- ऐसे प्रोडक्ट चुनें, जिनमें फॉस्फेट, एसएलएस,एसएलईसी, थैलेट्स और सिंथेटिक फ्रेगरेंस न हों। भरोसेमंद ब्रांड और क्लीयर इंग्रीडिएंट लिस्ट वाले प्रोडक्ट लें। बहुत ज्यादा झाग बनाने वाले लिक्विड से बचें। संभव हो तो ऑर्गेनिक या प्लांट बेस्ड लिक्विड लें। खरीदने से पहले लेबल ध्यान से पढ़ें।

लॉर्ड्स जीत के बाद स्टोक्स-एटकिंसन नाइटक्लब विवाद में फसे,रग्बी खिलाड़ियों से बहस हुई, ईसीबी की जांच शुरू- दूसरे टेस्ट में खेलना मुश्किल

नयी दिल्ली। इंग्लैंड टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज

गेंदबाज गस एटकिंसन नए विवाद में फंस गए हैं। दोनों खिलाड़ियों का रविवार रात एक नाइटक्लब में सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ विवाद हो गया। इस घटना में किसी खिलाड़ी के घायल होने की खबर नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार, लॉर्ड्स टेस्ट में न्यूजीलैंड पर 115 रन की जीत के बाद स्टोक्स और एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब पहुंचे थे। उसी दौरान सरेसेंस रग्बी क्लब के खिलाड़ी भी सीजन समाप्ति का जश्न मनाने वहां मौजूद थे। बताया जा रहा है कि विवाद की शुरुआत गस एटकिंसन और सरेसेंस रग्बी क्लब के एक एकेडमी खिलाड़ी के बीच हुई बहस से हुई थी, जो बाद में बढ़ गई। सरेसेंस रग्बी क्लब ने पुष्टि की है कि उनका एक एकेडमी खिलाड़ी रविवार रात हुई इस घटना में शामिल था। ईसीबी ने जांच शुरू की-मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने टीम प्रोटोकॉल उल्लंघन के आरोप में स्टोक्स और एटकिंसन के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता के बीच खबरें हैं कि स्टोक्स कप्तानी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। 17 जून से द ओवल में होने वाले दूसरे टेस्ट के दौरान भी जांच जारी रहने की संभावना है। ऐसे में स्टोक्स और एटकिंसन का उस मुकाबले में खेलना मुश्किल माना जा रहा है। ईसीबी ने सोमवार शाम जारी बयान में कहा कि मामले को आगे की जांच के लिए क्रिकेट रेगुलेटर के पास भेज दिया गया है। बोर्ड के मुताबिक, बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार तड़के एक नाइटक्लब में मौजूद थे, जहां घटना हुई। ईसीबी ने कहा कि मामले से जुड़ी और जानकारी जुटाई जा रही है और दूसरे टेस्ट के लिए टीम की घोषणा जल्द की जाएगी। हैरी ब्रूक दूसरे टेस्ट में टीम की कप्तानी संभाल सकते हैं-बेन स्टोक्स की गैरमौजूदगी में टेस्ट टीम के उप-कप्तान हैरी ब्रूक दूसरे टेस्ट में इंग्लैंड की कप्तानी संभाल सकते हैं। ब्रूक खुद भी इस साल विवादों में रह चुके हैं। इस विंटर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रात में हुए एक बाउंसर्स विवाद के चलते ईसीबी ने ब्रूक पर जुर्माना लगाया था और फटकार लगाई थी। खिलाड़ियों के खराब व्यवहार के बाद ईसीबी को टीम के लिए 'मिडनाइट कर्फ्यू' (आधी रात के बाद बाहर न जाने का नियम) लागू करना पड़ा था। 'शराब छोड़ चुका हूं' कहने वाले स्टोक्स ने मांगी थी बीयर-बेन स्टोक्स ने पिछले साल दावा किया था कि उन्होंने शराब पीना छोड़ दिया है। लेकिन रविवार दोपहर मैच जीतने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा था, 'मैं ड्रेसिंग रूम में लड़कों के साथ एक अच्छी बीयर पीने का इंतजार कर रहा हूं। जब तक मैं वहां जाकर टीम के साथ बीयर शेयर नहीं कर लेता, तब तक मुझे असली खुशी नहीं मिलेगी।'स्टोक्स का पुराना रिकॉर्ड भी विवादों से भरा रहा है। 2017 में ब्रिस्टल में एक वनडे मैच के बाद वे सड़क पर मारपीट (स्ट्रीट-फाइट) में शामिल थे, जिसके बाद उन पर जुर्माना और बैन लगा था। कोच ब्रेंडन मैकुलम ने दी थी चेतावनी-फरवरी में हुए विवादों के बाद इंग्लैंड के कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा था कि वे टीम को ढील नहीं देते हैं। खिलाड़ियों को सलाह देते हुए उन्होंने कहा था, 'मैंने लड़कों से पहली बात यही कही थी कि ऐसा कुछ मत करना जिससे आप अखबार के फ्रंट पेज पर आ जाएं। आधी रात के बाद कुछ भी अच्छा नहीं होता है।' इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉब की ने भी माना था कि टीम में दो या तीन खिलाड़ी ऐसे हैं जो शराब मिलने पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं।

भारतीय दर्शकों के लिए इंग्लैंड क्रिकेट ने बदला समय-3 टी-20 मैच एक घंटा पहले शुरू होंगे,एक जुलाई से 5 मैचों की सीरीज

नयी दिल्ली। भारतीय दर्शकों के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 3 टी-20 मैचों के लिए समय बदल दिया है। पहले रात 11 बजे शुरू होने वाले मैच अब एक घंटा पहले 10 बजे शुरू होंगे। भारत जुलाई में इंग्लैंड दौरे पर 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगा। टी-20 सीरीज 1 जुलाई से 11 जुलाई तक होगी। वहीं वनडे सीरीज 14 जुलाई से 19 जुलाई के बीच खेली जाएगी। इससे पहले भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज भी खेलेगी। ईसीबी ने दर्शकों को ध्यान में रखकर फैसला लिया-मैचों के समय में बदलाव का फैसला भारत में टीवी दर्शकों की संख्या बढ़ाने के लिए लिया गया है। इस बारे में ईसीबी ने ब्रॉडकास्टर्स स्काई स्पोर्ट्स (यूके) और सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क (भारत) से चर्चा की। सबसे बड़ी वजह विराट कोहली और रोहित शर्मा के फैंस हैं। भारत दौरे से ईसीबी को मुनाफे की उम्मीद-भारत की व्हाइट-बॉल सीरीज से ईसीबी को इस साल अच्छा मुनाफा होने की उम्मीद है। मैच डे कमाई और ब्रॉडकास्टिंग राइट्स दोनों से बोर्ड को फायदा मिलने की संभावना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज की मेजबानी के बावजूद ईसीबी को नुकसान हुआ है। इससे भारत सीरीज की अहमियत और बढ़ गई है। वनडे के सभी टिकट बिके, टी-20 के अब भी बाकी-भारत और इंग्लैंड के बीच टी-20 सीरीज की शुरुआत पहले होगी। लेकिन अभी उसके पूरे टिकट बिकने बाकी हैं। वहीं तीनों वनडे मैचों के टिकट पूरी तरह बिक चुके हैं। इसके हालांकि वनडे मैचों के टिकट की घोषणा से पहले ही की गई थी। कोहली और रोहित पहले ही टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं।वैभव सूर्यवंशी और विराट कोहली पर रहेगी नजर-इंग्लैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को शामिल किया गया है। वहीं वनडे में विराट कोहली भी फोकस में रहेंगे। हैमस्ट्रिंग चोट के कारण वह अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज नहीं खेलेंगे। ऐसे में जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी वापसी पर नजर रहेगी। कोहली ने जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद भारत के लिए कोई मैच नहीं खेला है।सूर्यवंशी ने इस आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा 776 रन बनाए थे। आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम-श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव। पिछले साल 2-2 से सीरीज बराबर की थी-भारत ने 2025 में इंग्लैंड का दौरा कर पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेली थी। वह सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई थी। आखिरी टेस्ट में द ओवल में मिली भारत की जीत ने सीरीज को बराबरी पर समाप्त कराया था।

वैभव पर फिदा कंगना, बोलीं-'वर्ल्ड कप लेकर आओ यार',सौरव गांगुली ने कहा- वैभव को संभलकर खेलना होगा

पटना। भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को भारतीय क्रिकेट टीम में चयन के बाद दुनिया भर से तारीफ मिल रही है। अब बॉलीवुड अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी वैभव की जमकर तारीफ की। उन्होंने वैभव से वर्ल्ड कप की डिमांड कर दी है। कंगना ने कहा कि, 'हमारे पास क्रिकेट देखने का टाइम नहीं होता है, लेकिन मैं क्रिकेट में इस यंग मैन को बेस्ट विशेज देती हूं। वह भी सचिन और विराट की तरह अच्छा करें। उस पर प्रेशर नहीं है, मगर वर्ल्ड कप लेकर आओ यार।' दूसरी ओर पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने भारत के लिए डेब्यू की दहलीज पर खड़े स्टार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर कहा कि, 'मेरा मानना है कि हमें उसे उसके हाल पर छोड़ देना चाहिए। वह अभी महज 15 साल का है और मुझे नहीं लगता कि वह दबाव की ज्यादा परवाह करेगा। आईपीएल में भी हमने यही देखा है।' गांगुली आगे कहा कि, 'निश्चित रूप से भारत के लिए खेलना अलग बात है। वह ऐसे दौरे पर जाएगा, जहां विकेट थोड़े अलग होंगे। वहां गेंद अधिक सीम करेगी, उछाल ज्यादा होगा और नई गेंद से अधिक मूवमेंट मिलेगा। इसलिए खेल थोड़ा अलग होगा, लेकिन मुझे लगता है कि उसमें अपार प्रतिभा है। इसलिए उसे समय दीजिए। बिहार के वैभव सूर्यवंशी का सिलेक्शन इंडियन टीम में हो गया है। वह इंडियन क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। वैभव ने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। पुरुष क्रिकेटर्स में सचिन तेंदुलकर 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे। वहीं, वैभव 15 साल 71 दिन में चुने गए हैं। वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। आईपीएल में उनके बेहतर प्रदर्शन के बाद यह फैसला लिया गया है। आईपीएल फाइनल में 15 साल के वैभव ने 5 अवार्ड अपने नाम किए हैं। वैभव को सबसे ज्यादा रन बनाने के लिए ऑरेंज कैप के साथ इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, मोस्ट वैलुएबल प्लेयर, सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन और मोस्ट सिक्सेज का भी खिताब मिला है। इन पुरस्कारों के जरिए उन्होंने कुल 45 लाख रुपये की इनामी राशि हासिल की, जबकि सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन बनने पर उन्हें टाटा सियेरा कार भी पुरस्कार में मिली। वैभव को ऑरेंज कैप मिला है। वह ऑरेंज कैप जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने महज 15 साल और 65 दिन की उम्र में यह उपलब्धि अपने नाम की है। 16 मैचों में उन्होंने 776 रन बनाए हैं, जो इस सीजन किसी भी बल्लेबाज के सबसे ज्यादा रन हैं। इस बीच उन्होंने एक शतक और 5 अर्धशतक भी अपने नाम किए हैं। वैभव ने साई सुदर्शन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

कला को पनपना है तो अमीरों को सहायता और शिक्षितों को प्रोत्साहन देना चाहिए

आईपीएल पूरा होने की वजह से लंबे समय बाद किसी रविवार की शाम मुझे लगा कि मेरे पास करने के लिए कुछ नहीं था। परिवार ने एकाएक तय किया कि मुंबई के बांद्रा स्थित नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर (एनएमएसीसी) चलें। वहां हम पारंपरिक भरतनाट्यम नृत्य शो 'इकोज ऑफ तंजावुर- द अनब्रोकन' देखने पहुंचे। 125 सीटों वाले छोटे किन्तु पूरे भर चुके एक्सपेरिमेंटल थिएटर में मेरी नजर एक परिचित चेहरे पर पड़ी। मेरी तथाकथित इंटेलिजेंस तुरंत सक्रिय हुई, सवाल उठाया कि 'ये यहां कैसे? इनका तो इस कार्यक्रम से कोई संबंध नहीं है।' मैंने अंदाजा लगाया कि उनकी उम्र इस छोटे ऑडिटोरियम की कुल बैठक क्षमता की लगभग आधी होगी। फिर भी, वे पूरी तरह से उस शास्त्रीय नृत्य कला में खोए थे, जो तंजावुर जिले की विरासत है। इसी स्थान से मैं भी आता हूं। उसी क्षण मेरे दिमाग ने मुझे सोमवार के लेख का विषय दे दिया। दिमाग ने शो खत्म होते ही उनका इंटरव्यू लेने का निर्देश दिया। मेरा योजनाबद्ध और उत्सुकता भरा पहला सवाल यही होने वाला था कि 'आप यहां कैसे?' फिर लगा कि किसी वरिष्ठजन से ऐसा सवाल पूछना कितना मूर्खतापूर्ण होता। वे 73 वर्षीय अनंग देसाई थे, जिन्हें दूरदर्शी मराठा शासक थे, जिनके दौर में व्यापक सांस्कृतिक, शैक्षणिक और वैज्ञानिक पुनर्जागरण हुआ था। उनका दरबार उत्कृष्ट संगीतकारों, कल्ट-क्लासिक सिटकॉम 'खिचड़ी' में चिड़चिड़े लेकिन सबके चहेते परिवार के मुखिया 'बाबूजी' (तुलसीदास पारेख) के किरदार के लिए जाना जाता है। 100 से अधिक टीवी शो और 70 फिल्मों के करियर वाले देसाई का पालन-पोषण अहमदाबाद में हुआ। उनके पिता कार्डियोलॉजिस्ट और मां सिंगर व पेंटर थीं। अपनी कला को नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा तथा फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में निखारने के कारण उनकी कलात्मक समझ बेहद गहरी है। बात की तो वे मुस्कराए और बोले, 'कला तो कला है। मुझे हर रूप में कला से प्रेम है।' वे इससे ज्यादा सही नहीं हो सकते थे। जो परफॉर्मेंस हमने देखी, वो तंजावुर क्वार्टेट से उपजी है। प्रिया मुरले, लेखा प्रसाद और स्नेहा महेश विशाल द्वारा प्रस्तुत यह नृत्य कला सर्फोजी-द्वितीय (1777-1832) के राजदरबार में विकसित हुई थी। सर्फोजी-द्वितीय तंजावुर के रचनाकारों और उन नद्दुवनारों को एक मंच पर लाया, जो मंजीरे बजा कर लयबद्ध बोलों के जरिए नर्तकों का मार्गदर्शन करते थे। कार्यक्रम की खूबसूरती कई अप्रत्याशित रूपों में सामने आई। प्रिया ने पैरों से नृत्य नहीं किया, बल्कि आंखों की अभिव्यक्ति से पूरी कहानी बताई। बेहद खूबसूरती से भगवान कृष्ण और कुचेला (सुदामा) की निःस्वार्थ मित्रता और दिव्यता जीवंत की। मैंने उनसे जाकर कहा, 'वाह, आज एहसास हुआ कि कोई सिर्फ आंखों से भी पूरी कहानी कह सकता है।' इसे भरतनाट्यम की भाषा में 'अभिनयम' कहते हैं। वहीं, लेखा और स्नेहा ने भगवान शिव की स्तुति में 'कीर्तनम' प्रस्तुत किया और उनकी जटिल, ब्रह्मांडीय मुद्राओं को अद्भुत सौंदर्य के साथ साकार किया। उस शाम मुझे एहसास हुआ कि ऐसे हेरिटेज आर्ट फॉर्म्स को मुख्यधारा का ऐसा मंच देना कितना मूल्यवान होता है, जहां वर्ल्ड क्लास थिएटर में वैश्विक मानकों की साउंड, लाइटिंग और मंच सज्जा हो। यह निश्चित ही विचारणीय है। 90 मिनट के कार्यक्रम के बाद मेरा मन दो वर्गों के प्रति कृतज्ञता से भर गया। पहले, वे समृद्ध लोग जिन्होंने ऐसा ठिकाना बनाया और उभरती प्रतिभाओं के लिए इसे खोला, ताकि संस्कृति फल-फूल सके। दूसरे, वे बुद्धिमान दर्शक जिन्होंने हर सीट भर दी, कला को समझा और सही समय पर तालियां बजाईं। इससे कलाकारों को लगा कि वे ऐसे दर्शकों के सामने प्रस्तुति दे रहे हैं, जो कला की बारीकियों को अच्छे-से समझते हैं। अनंग देसाई इस दूसरे वर्ग का एक शानदार उदाहरण थे। फंडा यह है कि कला की एक यूनिवर्सल भाषा होती है, जो हर भाषाई सीमा के परे है। कश्मीर से कन्याकुमारी तक हमारी समृद्ध विरासत को सच में सुरक्षित रखना है तो अमीरों को आर्थिक सहायता देकर ऐसे ठिकाने मुहैया कराने होंगे, जहां संस्कृति फल-फूल सके और शिक्षित लोगों को उसे जिंदा रखने के लिए बौद्धिक सराहना देनी होगी।एन. रघुरामन

इस बार विश्व कप के प्रति पहले जैसा उत्साह क्यों नहीं?

भारत में फीफा विश्व कप के लिए उपयुक्त ब्रॉडकास्टिंग पार्टनर ढूंढने में हुई कठिनाइयों पर पहले ही काफी कुछ लिखा जा चुका है। आखिरकार, कुछ दिन पहले ही फीफा के साथ 'जी' के 8 साल के करार की घोषणा हो पाई। हालांकि इसकी कीमत 2022 और 2018 में चुकाई गई रकम से कम रही। इसके पीछे कई कारण हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है। फीफा को इतनी कठिनाई क्यों हुई और कीमतें कम क्यों रहीं? पहला कारण यह है कि अब टूर्नामेंट में 48 टीमें हैं। यानी शुरुआती दौर के बहुत-से मुकाबले भारतीय बाजार के लिए उतने रुचिकर नहीं होंगे। वास्तव में इनमें से कई सारी टीमों को भारतीय फुटबॉल प्रशंसक फॉलो तक नहीं करते। ऐसे में कम ही संभावना है कि दर्शक पूरी रात जागकर उन खिलाड़ियों को देखेंगे, जिन्हें वे जानते तक नहीं। मैचों के देर रात में होने से भी कम ही ब्रांड उनसे जुड़ना चाहेंगे। ऐसे में ब्रॉडकास्टर्स इस उत्पाद के लिए कीमतें कम रखने को मजबूर हैं। दूसरा कारण यह है कि फुटबॉल विश्व कप का समय इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 विश्व कप और उसके बाद भारत-इंग्लैंड के टी20 और 50 ओवरों वाले वाइट-बॉल मुकाबलों से टकरा रहा है। हो सकता है रोहित शर्मा और विराट कोहली इंग्लैंड की धरती पर आखिरी बार खेलते दिखें। ऐसे में भारतीय दर्शकों के लिए उन्हें देखना ज्यादा रुचिकर होगा। 19 जुलाई को लॉर्ड्स में होने वाला मुकाबला फीफा विश्व कप फाइनल के साथ टकरा रहा है तो माना जा सकता है कि भारतीय प्रशंसक फुटबॉल की तुलना में क्रिकेट देखने के लिए ज्यादा उत्साहित होंगे। इसमें यदि विम्बलडन को भी जोड़ दें तो तय है कि फुटबॉल विश्व कप को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम घर में टी20 विश्वकप जीत चुकी है तो अब महिला टी20 विश्वकप को लेकर भी भारतीय दर्शकों की गहरी दिलचस्पी है। इसके अधिकतर मुकाबले भारतीय समयानुसार रात को शुरू होंगे तो इनका समय भी फीफा मैचों से टकरा सकता है। ऐसे में भारतीय दर्शक बंट जाएंगे।महिला टी20 विश्व कप के प्रसारण अधिकार जियो के पास हैं, जबकि वाइट-बॉल सीरीज के अधिकार सोनी के पास हैं। मतलब, दोनों ब्रॉडकास्टर्स के पास दिखाने के लिए पर्याप्त क्वालिटी कंटेंट मौजूद है और उन्हें फीफा के लिए बड़ी रकम खर्च करने की जरूरत नहीं लगी। 'जी' ने इस अवसर का इस्तेमाल खेल बाजार में दोबारा प्रवेश करने के लिए किया है और कहना चाहिए कि यह एक समझदारी भरा कदम है। भारतीय बाजार बड़ा है और फीफा भी ग्लोबल साउथ के इस सबसे बड़े बाजार से दूर नहीं रहना चाहेगा। कीमतों को कम रखना जरूरी था, इसलिए मांग तथा आपूर्ति के प्रतिस्पर्धी माहौल में अंत समय तक मोलभाव की लड़ाई बनी रही। इस डील से 2022 के विश्वकप की तुलना नहीं की जा सकती। इसके दो और कारण हैं। पहला, तब बड़ी संख्या में भारतीय कतर पहुंचे थे और माहौल ऐसा था जैसे विश्वकप भारत में ही हो रहा हो। दूसरा, तब सभी स्टेडियम एक घंटे की दूरी पर थे तो एक दिन में कई मैच देख पाना संभव था। समय का अंतर भी ऐसा था कि भारतीय दर्शक लगभग सभी मैच प्राइम टाइम में देख सकते थे। वर्तमान परिदृश्य की तुलना करते वक्त इन तमाम फैक्टर्स को ध्यान में रखा जाना चाहिए। लेकिन विश्व कप की ब्रॉडकास्ट डील भारत में फुटबॉल की स्थिति को भी दर्शाती है। फिलहाल भारतीय फुटबॉल बेहद खराब दौर से गुजर रहा है और हमारे पास बीते दो वर्षों में चर्चा करने लायक कुछ भी नहीं रहा है। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) को पटरी पर लाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहा है। आज भी यह स्पष्ट नहीं कि अगले वर्ष क्या होगा। ब्रॉडकास्ट पार्टनरों ने अभी तक कोई डील नहीं की है और कई क्लब प्रस्तावित व्यवस्था के विरोध में हैं। कुछ समय पहले फुटबॉल में भारत की रैंकिंग 99वें स्थान पर थी, लेकिन आज हम 140 से भी निचले पायदान पर हैं। हालांकि महिला फुटबॉल में सुधार दिख रहा है और अंडर-17 एएफसी एशियन कप का प्रदर्शन भी शानदार रहा, लेकिन भारत के पुरुष फुटबॉल को एक नई ऑक्सीजन की जरूरत है। देर रात को होने वाले मैच, 48 टीमों का फॉर्मेट, क्रिकेट के प्रति अत्यधिक रूझान, भारतीय फुटबॉल की बुरी हालत- ये तमाम कारण हैं, जिनके चलते इस बार 2022 के फीफा विश्वकप जैसा उत्साह प्रशंसकों में नहीं दिखलाई दे रहा है। (ये ले?खक के अपने विचार हैं) बोरिया मजुमदार

पाक की नियति बन चुकी है भुलावे में रहना

भारत के साथ पाकिस्तान के युद्ध का इतिहास कैसा रहा है? सामरिक रूप से ठीक, लेकिन रणनीतिक रूप से नुकसानदायक। यही वजह है कि वह पूरी ताकत से शुरुआत करने के बावजूद हर युद्ध हारता है। लेकिन 1971 और कारगिल युद्ध को छोड़कर उसने ज्यादातर युद्धों में जीत का दावा किया है। गत वर्ष की 87 घंटे की मुठभेड़ को ही देख लीजिए। मुनीर से लेकर पाकिस्तान की राजनीति के सबसे निचले स्तर तक पूरा पाकिस्तान मानता है कि इस बार जीत उसकी हुई; कि इसके बाद अमेरिका ने उसे फिर गले लगाया और इसे उसकी खुद की घोषित 'जीत' की मंजूरी माना गया। जबकि हकीकत यह है कि पहलगाम हत्याकांड के सिर्फ चार दिन पहले और ऑपरेशन सिंदूर के करीब दो हफ्ते पहले स्टीव विटकॉफ के बेटे जाक का दौरा और क्रिप्टो सौदा हो चुका था। मुनीर को मालूम था कि भारत पहलगाम का जवाब देगा। इसलिए उन्होंने ट्रम्प परिवार के लालच का फायदा उठाने की चाल पहले ही तैयार कर ली थी। दुनिया में अधिकतर लोगों से पहले इस बात को समझने के लिए आप मुनीर की तारीफ कर सकते हैं या हो सकता है कि सऊदी अरब ने उन्हें पहले ही सावधान कर दिया हो। लड़ाई शुरू होने से पहले ही उन्होंने ट्रम्प के 'सिस्टम' को अपने पक्ष में कर लिया था। एक हफ्ते पहले, 16 अप्रैल 2025 को विदेश में बसे पाकिस्तानियों को दिए उनके भाषण ने इसका संकेत दे दिया था। वह हत्याकांड भारत की जवाबी कार्रवाई देखने की उनकी योजना का हिस्सा था। ट्रम्प को अपने पक्ष में लाकर कश्मीर मुद्दे को उठाना उनका रणनीतिक लक्ष्य था। पहली चाल सफल रही, लेकिन दूसरी पूरी तरह नाकाम रही। पाकिस्तान ने यह जानते हुए भारत को उकसाया था कि भारत जवाब में सैन्य कार्रवाई करेगा, इसलिए उसने यह भी अंदाजा लगाया होगा कि किन जगहों को निशाना बनाया जाएगा। वे यह भी जानते थे कि भारत कौन से हथियार इस्तेमाल करेगा। इसलिए भारतीय वायुसेना ने 7 मई की रात 1 बजकर 7 मिनट पर जब उड़ान भरी, तब वे तैयार थे। अपने अंदरूनी इलाकों में निशानों पर हमलों को वे रोक नहीं पाए, लेकिन यह उनका मकसद भी नहीं था। वे जवाब को हवाई मुठभेड़ तक सीमित रखना चाहते थे। एईडब्ल्यू विमानों और जे-10सी, जेएफ-17 के साथ पीएल-15 मिसाइलों को आगे रखकर इस कार्रवाई का पहले से अभ्यास किया गया था। उन्हें कुछ सफलता मिली और वे इसका जश्न मना रहे थे। लिए एंटी-रेडिएशन ड्रोनों से हमला किया गया। और आखिर में पीएएफ के सबसे सुरक्षित हवाई अड्डों पर लगातार हवाई हमले किए गए। पीएएफ का कोई भी विमान, या कितनी भी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल क्यों न हो, जवाब देने के लिए उड़ान नहीं भर सकी। जब तक पाकिस्तान ने संघर्षविराम की मांग की, तब तक सिर्फ एक पक्ष के पास सबूत थे कि दूसरे पक्ष को कितना नुकसान हुआ है : व्यावसायिक उपग्रहों से मिली तस्वीरें बता रही थीं कि पीएएफ के कम-से-कम 13 हवाई अड्डे और तीन रडार नष्ट हो चुके थे। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी जीत का जश्न मना रहा है। एक भारतीय कमांडर ने कहा यह ऐसा ही था, जैसे भारत ने पाकिस्तान को हॉकी मैच में 3-1 से हरा दिया हो। बात इतनी थी कि उनके सेंटर फॉरवर्ड ने गोल किया और हमारे खिलाड़ियों ने तीन पेनल्टी को गोल में बदल दिया। हमें नुकसान पहुंचाने के उनके दावों का कोई सबूत नहीं है। भारत के बात पर जोर दे रहा हूं। वह यह है कि पाकिस्तानी फौजी दिमाग अच्छी तरह सोचता है, लेकिन सिर्फ सामरिक चालों के हिसाब से सोचता है। वह यह अंदाजा नहीं लगा पाता कि भारत किस तरह जवाब देगा। यह अंदरूनी कमजोरी, भारतीय सेना के प्रति अनादर या दोनों का मेल हो सकता है। यह विचार भी हमें पाकिस्तानी लेखक शुजा नवाज की किताब क्रॉस्ड सोर्ड्स से मिला है। कारगिल युद्ध की बात करते हुए उन्होंने लिखा है कि भारत के साथ 'वार गेम' खेल रही पाकिस्तानी टीम ने बिल्कुल सही अनुमान लगाया था कि वाजपेयी सरकार किस तरह जवाब देगी। अगर उसे गंभीरता से लिया जाता, तो पाकिस्तान हार, पीछे हटने और बेइज्जती से बच सकता था, लेकिन उसका मजाक उड़ाया गया। सामरिक दृष्टि से कारगिल युद्ध शानदार था।(ये लेखक के अपने विचार हैं, शेखर गुप्ता)

सूझबूझ इसी में कि हम पड़ोसियों के साझेदार बनें

एक प्रमुख शक्ति के रूप में भारत का उदय स्थिर और सहयोगी पड़ोस की अपेक्षा करता है। कोई भी देश अपने आस-पड़ोस के स्ट्रैटेजिक परिवेश का प्रबंधन किए बिना दुनिया में दबदबे का दावा नहीं कर सकता। 1985 में सार्क की स्थापना के पीछे यही तर्क था। किंतु 2016 में पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के कारण इस्लामाबाद में प्रस्तावित 19वें शिखर सम्मेलन के रद्द होने के बाद से यह संगठन निष्प्राण-सा हो गया है। इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब देशों ने अपनी आपसी प्रतिद्वंद्विताओं को पीछे छोड़कर क्षेत्रीय सहयोग की संस्थाओं का निर्माण किया। ऐसी संस्थाएं इसलिए अस्तित्व में आईं, क्योंकि नेताओं ने यह समझ लिया था कि भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। चुनौती यह थी कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इसका सबसे उल्लेखनीय उदाहरण ईयू है। ब्रिटेन और फ्रांस सदियों तक प्रतिद्वंद्वी रहे। जर्मनी ने इन दोनों के विरुद्ध विनाशकारी युद्ध लड़े। यूरोप राष्ट्रीय पहचानों की रक्षा को लेकर अत्यधिक संवेदनशील था। फिर भी, विश्वयुद्धों की त्रासदी के बाद यूरोप ने धीरे-धीरे महसूस किया कि समृद्धि और सुरक्षा का मार्ग टकराव नहीं, बल्कि सहयोग से होकर जाता है। परिणामस्वरूप एक ऐसी प्रक्रिया आरंभ हुई, जो अंततः ईयू के रूप में विकसित हुई। यह आधुनिक इतिहास में क्षेत्रीय एकीकरण के सबसे सफल उदाहरणों में से एक है।अफ्रीकी संघ का उदय भी उन सीमाओं के बावजूद हुआ था, जिन्हें औपनिवेशिक शक्तियों ने मनमाने ढंग से निर्धारित किया था। वहां जातीय संघर्ष तथा अंतर-राज्यीय विवाद भी थे। आसियान भी ऐसे देशों को एक मंच पर लाया, जो पहले पारस्परिक अविश्वास और संघर्ष के अनुभव से गुजर चुके थे। इंडोनेशिया और मलेशिया 1960 के दशक में कोनफ्रोंतासी संघर्ष में उलझे थे। 1965 में मलेशिया से सिंगापुर का अलगाव कटु परिस्थितियों में हुआ था। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच लंबे समय से सीमा-विवाद थे। फिर भी, आसियान एक अत्यंत प्रभावी क्षेत्रीय मंच के रूप में विकसित हुआ, क्योंकि उसके सदस्य देशों ने यह समझ लिया था कि आर्थिक विकास और सामरिक स्थिरता का सर्वोत्तम मार्ग सामूहिक प्रयासों से होकर जाता है। इसी प्रकार, अमेरिकी राष्ट्रों का संगठन (ओएएस) भी उन देशों के बीच स्थापित हुआ, जिनका इतिहास क्षेत्रीय विवादों, वैचारिक विभाजनों और राजनीतिक अस्थिरता से भरा हुआ था। इन सभी उदाहरणों में एक महत्वपूर्ण तत्व साझा सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों का अस्तित्व था। यही तर्क दक्षिण एशिया पर भी समान रूप से लागू होता है। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दक्षिण एशिया में गहन सभ्यतागत एकता विद्यमान रही है। इस क्षेत्र के लोग इतिहास, भाषा, धर्म, भोजन, संस्कृति, साहित्य, संगीत और पारिवारिक-सामाजिक संबंधों के ऐसे नेटवर्कों से जुड़े हैं, जिनका अस्तित्व आधुनिक राष्ट्र-राज्यों के उदय से बहुत पहले से रहा है। लेकिन अफसोस कि सार्क की प्रगति भारत और पाकिस्तान के तनावपूर्ण संबंधों की बंधक बनकर रह गई। दशकों से चले आ रहे अविश्वास ने सामूहिक पहलों को पंगु बना दिया। चीन ने भी क्षेत्रीय विभाजनों का लाभ उठाकर अपने सामरिक हितों को आगे बढ़ाने के अवसर देखे। इसके बावजूद सार्क के पीछे निहित तर्क आज भी उतना ही प्रासंगिक है। दक्षिण एशिया के साथ भारत का संबंध केवल भौगोलिक ही नहीं, सभ्यतागत भी है। बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत और श्रीलंका के संबंध गहरे हैं। नेपाल के भारत के साथ सांस्कृतिक और धार्मिक संबंध स्थायी हैं। बांग्लादेश भारत के साथ गहरे भाषाई, ऐतिहासिक और भावनात्मक संबंध साझा करता है। यहां तक कि पाकिस्तान के साथ भी हमारा साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, साहित्य और संगीत की सदियों पुरानी विरासत मानवीय संबंधों का एक सशक्त आधार प्रदान करती है। समाधान सार्क को त्यागने में नहीं, बल्कि धैर्य और व्यावहारिकता के साथ उसे पुनर्जीवित करने में है। विश्वास रातों-रात निर्मित नहीं किया जा सकता। किंतु जब लोग व्यापार, पर्यटन, शैक्षिक आदान-प्रदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परस्पर संपर्क, ऊर्जा सहयोग आदि के माध्यम से सहयोग के लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव करते हैं, तब वे स्वयं उस सहयोग के पैरोकार भी बन जाते हैं। एक उभरती हुई प्रमुख शक्ति के रूप में भारत के लिए पहली प्राथमिकता अपने निकटवर्ती पड़ोस को मजबूत बनाना होना चाहिए। दक्षिण एशिया के भूगोल ने हमें पड़ोसी बनाया है। लेकिन सूझबूझ इसी में है कि हम सहयोगी भी बनें। भूगोल एक स्थायी हकीकत है, जबकि संघर्ष महज एक विकल्प है। ऐसे में चुनौती यह है कि भौगोलिक निकटता को तनाव के स्रोत से बदलकर सामूहिक तरक्की के साधन में बदला जाए। इतिहास भी यही सबक सिखाता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,पवन के. वर्मा)

क्या अमेरिका के बिना टिक पाएगा इजराइल,दोबारा जंग से भारत चिंता में क्यों

तेहरान। अमेरिकी न्यूज वेबसाइट एक्सिओस के मुताबिक, ईरान के हमलों के बावजूद ट्रम्प नेतन्याहू को फोन करना चाहते थे कि पलटवार न करें। लेकिन इजराइल ने हमला कर दिया। ट्रम्प इजराइल के बेरूत पर हमले से भी बिल्कुल खुश नहीं थे। उन्होंने अमेरिकी मीडिया से कहा भी कि इन हमलों लेकिन ईरान से आने वाली लंबी दूरी की मिसाइलों को नहीं। जंग में अब तक अमेरिकी डिफेंस सिस्टम ही इजराइल के काम आ रहे थे।' 3. इजराइल के पास जमीन और लोगों की कमी- इजराइल के पास करीब 22 हजार वर्ग किमी जमीन है, जबकि ईरान के पास उससे 73 गुना ज्यादा 16 लाख वर्ग किमी हो रहा है। ये लोग ऐसी सरकार चाहते हैं, जो लेबनान की समस्या सुलझाने के लिए कड़ी कार्रवाई करे और जंग खत्म करने के अमेरिकी दबाव में न आए। दुश्मन को खत्म करने का आखिरी बड़ा मौका-नेतन्याहू का इरादा हमेशा से ईरान में सत्ता बदलना था। वो कई बार कह चुके हैं कि ईरान में सत्ता बदलने

से शांति समझौते के इरादे पर कोई असर नहीं पड़ा है। नेतन्याहू के पास भी इसे स्वीकार करने के अलावा 'कोई विकल्प' नहीं है। फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में ट्रम्प ने कहा, 'सारे फैसले मैं लेता हूं, नेतन्याहू नहीं।' इससे पहले जब 2 जून को इजराइल ने लेबनान पर हमला किया था। तब भी ट्रम्प ने नेतन्याहू को फटकार लगाई थी। एक्सिओस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ट्रम्प ने फोन पर नेतन्याहू को गालियां दीं और कहा कि वो शांति वार्ता को बर्बाद कर रहे हैं। इजराइल और ईरान जमीन से जुड़े हुए नहीं हैं, यानी किसी भी तरह से सीमा साझा नहीं करते हैं। इसलिए जंग हवा या पानी में ही हो सकती है। इसके लिए इजराइल को अमेरिका की मदद चाहिए। मिलिट्री पावर रैंकिंग में इजराइल दुनिया में 15वें नंबर पर है और ईरान 16वें। ऐसे में ईरान से निपटने के लिए इन 4 वजहों से इजराइल को अमेरिका की सख्त जरूरत है..1. लंबी दूरी की उड़ान के लिए रीफ्यूलर्स की कमी- इजराइल से ईरान की दूरी लगभग 1500 किमी है। इतनी दूर तक हमला करने के लिए इजराइल के पास एफ-15, एफ-16 और एफ-35 जैसे फाइटर जेट हैं। लेकिन इन्हें इतने दूर ले जाने के लिए हवा में रिफ्यूलिंग करनी पड़ती है। इजराइल के पास अभी इसके लिए एक बोइंग 707 विमान है, जो 50 साल पुराना है। इसके अलावा अमेरिका से मिलने वाले 6 केसी-46ए रिफ्यूलर में से अभी सिर्फ एक ही मिला है। इसलिए इजराइल को अमेरिकी रिफ्यूलर्स की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा इजराइल, तोप के गोलों और बमों के लिए भी अमेरिका पर निर्भर है। इसमें 450 किलो के एमके-83 और 900 किलो के एमके-84 बम शामिल है, जिन्होंने ईरान में भारी तबाही मचाई। पिछले साल ही इनकी एक बड़ी खेप इजराइल पहुंची थी। अमेरिका 2000 किलो वाले जीबीयू-28 बंकर बस्टर बम भी इजराइल को देता है।2. हवाई हमला रोकने वाले इंटरसेप्टर्स की कमी-ईरान के मिसाइल हमले रोकने के लिए इजराइल खास एयर डिफेंस सिस्टम इस्तेमाल करता है। शॉर्ट रेंज मिसाइलों के लिए आयरन डोम, मिडियम रेंज और क्रूज मिसाइल के लिए डेविड्स स्लिंग और बैलिस्टिक मिसाइल के लिए एरो-1 और एरो-2 सिस्टम।

इन एयर डिफेंस सिस्टम के लिए इंटरसेप्टर चाहिए, यानी वो हथियार जो दुश्मन की मिसाइल हमलों को हवा में ही निष्क्रिय कर देते हैं। गाजा युद्ध, जून 2024 में ईरान से 12 दिन की जंग और अब 28 फरवरी से फिर जंग। ब्लूमबर्ग ने दावा है कि इजराइल के पास इंटरसेप्टर्स की भारी कमी है। ये इंटरसेप्टर अमेरिकी कंपनियों की मदद से बनते हैं। भारतीय थिंकटैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन में स्ट्रैटजिक स्टडीज प्रोग्राम के डिप्टी डायरेक्टर विवेक मिश्र बताते हैं, 'यह सिस्टम लेबनान और यमन से आने वाली मिसाइलों को तो रोक सकते हैं,

जमीन है। इजराइल के पास 1.69 सक्रिय सैनिक हैं और ईरान के पास साढ़े तीन गुना ज्यादा, यानी 6.1 लाख सक्रिय सैनिक। ऊपर से इजराइल, ईरान के प्रॉक्सी संगठनों से घिरा हुआ है। लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हूती और गाजा में हमास। ये भले ही कमजोर पड़ गए हैं, लेकिन नुकसान कर सकते हैं। अभी भी हूती हमलों से अमेरिका का डिफेंस सिस्टम ही इजराइल की रक्षा करता है। लाल सागर या उसके आस-पास अमेरिकी नौसेना का बेड़ा हमेशा तैनात रहता है। सऊदी अरब और यूएई में भी थाड और पैट्रिअट मिसाइल डिफेंस सिस्टम तैनात रहते हैं। 4. इतनी महंगी जंग का खर्च कौन उठाएगा- इजराइल करीब 3 साल से लगातार जंग में उलझा हुआ है। पहले गाजा और अब ईरान। 2026 में इजराइल सरकार ने 112 बिलियन इजरायली शेकेल का रक्षा बजट मंजूर किया था। ईरान जंग शुरू होने के बाद इसे बढ़ाकर 144 बिलियन शेकेल कर दिया। लेकिन अब रक्षा मंत्रालय और सेना और 40 बिलियन इजरायली शेकेल की मांग कर रहे हैं। इजराइल के रक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर यह फंड पारित नहीं हुआ, तो हथियारों के प्रोडक्शन में परेशानी आ सकती है। दो महीने के अंदर तोप और टैंक के गोलों का उत्पादन रुक सकता है। विवेक मिश्र के मुताबिक, 'अमेरिकी मदद के बिना इजराइल 10-15 दिन ईरान का मुकाबला कर सकता है। इसके बाद उसे अमेरिका का दरवाजा खटखटाना पड़ेगा।'

दिल्ली की जामिया मिल्लिया इस्लामिया में रिसर्च एसोसिएट और ईरानी मामलों के जानकार यासिर अली मिर्जा कहते हैं, 'ट्रम्प भले ही इस जंग से ऊब चुके हैं, लेकिन वो चाहकर भी इजराइल को जंग में सपोर्ट करना बंद नहीं कर सकते, क्योंकि इजराइली लॉबी का अमेरिका की विदेश नीति में दखल है। ये लॉबी अमेरिकी सांसदों और पॉलिसी मेकर्स को फंड भी करती है।' सवाल-4ः आखिर ट्रम्प की बात क्यों नहीं मान रहे नेतन्याहू? जवाबः एक्सपट्र्स इसके पीछे दो बड़ी वजहें मानते हैंष्ठनेतन्याहू का करप्शन केस से बचने और सत्ता में बने रहने की कोशिश- नेतन्याहू पर इजराइल में भ्रष्टाचार के 3 मामले दर्ज हैं। वो जंग के नाजुक हालातों का हवाला देकर, कोर्ट में पेशी से बच रहे हैं। जंग रुकने से उन पर कानूनी कार्यवाही शुरू होगी और जेल भी जाना पड़ सकता है। अक्टूबर में इजराइल में आम चुनाव भी होने हैं। विवेक मिश्र कहते हैं, 'अगर जंग खत्म होगी, तो इजराइल में लागू स्टेट इमरजेंसी खत्म हो जाएगी। इससे इजराइल की अदालतों और लोगों का ध्यान नेतन्याहू पर लगे आरोपों पर जाएगा। ऐसे में उनके दक्षिणपंथी अलायंस साथ छोड़ सकते हैं।' बीते दिनों इजराइल की हिब्रू यूनिवर्सिटी ने उत्तरी इजराइल में एक सर्वे किया था, जो लेबनान से जुड़ा है। इसके मुताबिक यहां के लोगों का नेतन्याहू को समर्थन कम

के लिए हर मुमकिन कोशिश करेंगे। वो इसे इजराइल के भविष्य के लिए जरूरी बताते हैं। नेतन्याहू ईरान और उसके प्रॉक्सी संगठनों को इजराइल के लिए खतरा मानते हैं। वो हिजबुल्लाह को खत्म करने का दावा कर चुके हैं। यही वजह रही कि सीजफायर के बावजूद भी उन्होंने लेबनान पर हमले नहीं रोके। विवेक मिश्र के बताते हैं कि ' नेतन्याहू लेबनान और हिजबुल्लाह के मुद्दे को सीजफायर से अलग रखना चाहते हैं। वो ईरानी प्रॉक्सी संगठनों को राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय दबदबे से जुड़ा मुद्दा मानते हैं। जबकि ईरान लेबनान पर हमले जारी रहते हुए किसी भी सूरत में सीजफायर नही करेगा।' सवाल-5ः मिडिल ईस्ट में दोबारा जंग शुरू होने से भारत की चिंता क्यों बढ़ गई? जवाबः 100 दिन की ईरान जंग में दुनिया की जीडीपी को 339 लाख करोड़ रुपए के नुकसान होने का अनुमान है। भारत भी इससे असर से अछूता नहीं हैष्ठ28 फरवरी को जंग शुरू होने के बाद कच्चे तेल के दाम में 50फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है। 7 जून को दोबारा हमले शुरू होने के बाद भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का दाम 3.20 डॉलर बढ़कर 96.24 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। भारत में पहले ही ईरान जंग के चलते पेट्रोल-डीजल के दाम 7.5 रुपए तक बढ़े हैं। सीजफायर और पेट्रोल की कीमतें बढ़ने से भारतीय तेल कंपनियों को रोजाना 1100 से 1300 करोड़ रुपए का घाटा हो रहा था। यह घटकर 900 करोड़ रुपए हो गया है। अगर जंग के कारण तेल की कीमत फिर बढ़ती है, तो कंपनियों का घटा बढ़ेगा, जिसका असर पेट्रोल के दाम पर होगा। जंग शुरू होने के बाद से घरेलू एलपीजी की कीमत 74.2 रुपए, जबकि कमर्शियल एलपीजी की 1,422 रुपए बढ़ी है। ईंधन की कीमत बढ़ने का असर पूरी अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। इससे माल ढुलाई महंगी होती है। धीर-धीरे जरूरत की हर चीज- सब्जी, फल, दूध, पब्लिक ट्रांस्पोर्ट, बाहर खाना-पीना, घूमना सब पर असर पड़ता है। भारत का इम्पोर्ट बिल का करीब 22फीसदी हिस्सा कच्चे तेल पर खर्च होता है। यानी तेल की कीमतें बढ़ने से पूरी अर्थव्यवस्था प्रभावित होगी। जंग शुरू होने के बाद से भारतीय रुपए में डॉलर के मुकाबले 5फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। 28 फरवरी को 1 डॉलर की कीमत 91.08 रुपए थी, जो 8 जून को 95.63 पहुंच चुकी है। विवेक मिश्र के मुताबिक, 'जंग जारी रहने से भारतीय तेल कंपनियों का रोजाना घाटा कई गुना बढ़ सकता है। मई में जंग खत्म के होने और होर्मुज खुलने की अटकलें लगाई जा रहीं थीं, इससे मार्केट में थोड़ी रिकवरी हुई थी, लेकिन अगर हमले नहीं रुकते हैं, तो होर्मुज का मुद्दा टल जाएगा, जिसका सीधा असर शेयर बाजार पर दिखेगा, जो कुछ हद तक दिखना शुरू भी हो गया है।'

एच-1बी वीजा पर 1 लाख डॉलर वसूलने का आदेश रद्द,कोर्ट बोला- ट्रम्प फीस के नाम पर टैक्स नहीं ले सकते- भारतीयों को सबसे ज्यादा राहत

वॉशिंगटन डीसी। इस बीच कई भारतीय कर्मचारियों की सामने उठाया था। रूबियो ने माना था कि नए इमिग्रेशन भी कहा था कि यह कदम खासतौर पर भारत को निशाना

नौकरी चली गई। अमेरिकी नियमों के मुताबिक नौकरी जाने के बाद नए रोजगार के लिए सिर्फ 60 दिन का समय मिलता है। नौकरी नहीं मिलने पर कई भारतीयों को वापस लौटना पड़ा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसी साल मई में यह मामला अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के सिस्टम में बदलाव के दौरान कुछ दिक्कतें और तनाव हो सकते हैं।

हालांकि, रूबियो ने कहा था कि अमेरिका इमिग्रेशन सिस्टम को ज्यादा प्रभावी बनाने की कोशिश कर रहा है और लंबे समय में इसका फायदा सभी पक्षों को मिलेगा। रूबियो ने यह बनाकर नहीं उठाया गया। उनके मुताबिक अमेरिका पिछले कुछ सालों में बड़े पैमाने पर अवैध प्रवासियों की समस्या से जूझ रहा है। 2 करोड़ से ज्यादा लोग गैरकानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुए और उसी चुनौती से निपटने के लिए यह बदलाव किए जा रहे हैं।

ईरानी बोट्स पर हमले के लिए तैयार अमेरिकी हेलिकॉप्टर क्रैश,होर्मुज के पास हुआ हादसा,दोनों पायलट सुरक्षित

तेहरान। विश्लेषकों के अनुसार, तेहरान का पहला उद्देश्य लेबनान इजरायल द्वारा जारी नए निकासी आदेश के बाद लोगों का पलायन नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा रहे हैं। एंबुलेंस और अन्य

और हिजबुल्लाह के साथ अपनी एकजुटता प्रदर्शित करना है। ईरान की ओर से यह भी संकेत दिया गया है कि यदि इजरायल भविष्य में लेबनान, विशेष रूप से राजधानी बेरूत और दहिया इलाके में सैन्य कार्रवाई जारी रखता है, तो जवाबी कदम उठाए जा सकते हैं। दहिया को हिजबुल्लाह का प्रमुख प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। साथ ही, ईरान ने किसी भी संभावित इजरायली कार्रवाई के खिलाफ अपने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की चेतावनी भी दी है। दक्षिणी लेबनान के प्रमुख शहर टायर में जारी है। लेबनानी सिविल डिफेंस की टीमें बुजुर्गों, बीमारों और अन्य कमजोर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में जुटी हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, इजरायली चेतावनी के बाद बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़कर सुरक्षित क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं। स्थिति को देखते हुए राहत एजेंसियों ने विशेष निकासी अभियान शुरू किया है ताकि ऐसे लोगों को बाहर निकाला जा सके जो स्वयं यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि बचाव दल संवेदनशील और कमजोर राहत वाहनों के जरिए कई बुजुर्गों को शहर से बाहर ले जाया गया है। इस बार इजरायली सेना के निकासी आदेश में टायर का ईसाई बहुल इलाका भी शामिल किया गया है, जिसे पहले कई बार ऐसे आदेशों से बाहर रखा गया था। इससे स्थानीय निवासियों के बीच चिंता बढ़ गई है। इजरायली सेना का दावा है कि संबंधित क्षेत्रों में हिजबुल्लाह के लड़ाके सक्रिय हैं और वहां सैन्य गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि तत्काल नहीं हो सकी है।

लॉस एंजिलिस में मेयर के लिए चुनाव, रेस में केरल में हुई नित्या रमन भी, बोलीं-शहर की पहचान बड़ी इमारतें नहीं गरीबों से व्यवहार

लॉस एंजिलिस। केरल में जन्मीं नित्या रमन (44) लॉस एंजिलिस के मेयर पद के प्राथमिक चुनाव में दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। वे अब नवंबर में होने वाले चुनाव में मेयर करेन बैस को चुनौती देती दिख रही हैं। 72 वर्षीय लॉस एंजिलिस सिटी काउंसिल में जीती तो ये 'राजनीतिक भूकंप' कहा गया। लोग मानते हैं कि मेरी राजनीति यहीं से शुरू हुई। पर, इसकी जड़ें दिल्ली और चेन्नई की झुग्गियों में हैं। पढ़ाई के बाद मैं भारत लौटी। दिल्ली में एक मिली। इन पर हर साल 10 करोड़ डॉलर खर्च हो रहे हैं। लेकिन, 90फीसदी खर्च इन्हें जेल भेजने जैसे कामों पर था। आवास, पुनर्वास और स्थायी समाधान पर खर्च बहुत कम था। बदलाव के लिए राजनीति में

करेन 34.7फीसदी वोटों के साथ पहले स्थान पर हैं। नित्या को 27.1फीसदी वोट मिले। मेयर पद का उम्मीदवार प्राथमिक चुनाव में 50फीसदी से अधिक वोट हासिल कर सीधे जीत सकता है। नहीं तो टॉप-2 उम्मीदवार रनऑफ चुनाव में आमने-सामने होते हैं। लॉस एंजिलिस न्यूयॉर्क के बाद अमेरिका का दूसरा सबसे ज्यादा आबादी वाला शहर है। हॉलीवुड भी यहीं है। नित्या कहती हैं कि लोगों की मदद के लिए राजनीतिक सोच बनाने में भारत का अहम योगदान है। कैसे, जानिए उन्हीं की जुबानी-मैं 6 साल की उम्र में अमेरिका आ गई थी। स्कूल में प्रवासी और रंग दोनों के आधार पर भेदभाव झेला। इस अनुभव ने सामाजिक न्याय के प्रति मुझमें गहरी संवेदना पैदा की। हार्वर्ड में पॉलिटिकल थ्योरी पढ़ी। एमआईटी से अर्बन प्लानिंग की डिग्री ली। 2020 में पहली बार दिन देखा कि एक विशाल झुग्गी बस्ती तोड़ दी गई। एक लाख से ज्यादा लोग बेघर हो गए। इस पर कहीं कोई चर्चा नहीं हुई। समझ आया कि गरीबों की समस्या सिर्फ गरीबी नहीं, बल्कि उन्हें अदृश्य बना दिया जाना है। दिल्ली ने सवाल दिए, तो चेन्नई ने जवाब। वहां 'ट्रांसपेरेंट चेन्नई' पहल के तहत झुग्गी बस्तियों का नक्शा बनाया। पानी, शौचालय, ड्रेनेज और बुनियादी सुविधाओं का डेटा जुटाया। बदलाव के लिए संवेदना के साथ आंकड़े भी जरूरी हैं। शहरी समस्याएं व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी होती हैं। भारत में झुग्गी, अमेरिका में फुटपाथ-2013 में लॉस एंजिलिस पहुंची। यहां झुग्गियों की जगह बेघर लोग फुटपाथ पर थे। प्रशासनिक कार्यालय में नौकरी के दौरान बेघरों पर होने वाले खर्च पर शोध की जिम्मेदारी उतरी। राजनीति करियर नहीं, सिर्फ काम का जरिया-जब मैंने मेयर का चुनाव लड़ने की सोची तो लोगों ने कहा कि यह सही समय नहीं है। मैंने कहा कि संकट कभी समय देखकर नहीं आते। मैं यहां करियर बनाने या 20 साल तक कुर्सी पर चिपके रहने के लिए नहीं आई हूं। मैं अर्बन प्लानर हूं। राजनीति मेरा पेशा नहीं, अपना काम पूरा करने का जरिया है। बदलाव का कोई बेहतर तरीका राजनीति के बाहर भी दिखा तो मैं उसे अपनाने में संकोच नहीं करूंगी। किसी शहर की महानता उसकी चमकदार इमारतों से नहीं, बल्कि इससे तय होती है कि वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। अगर एक शहर हर व्यक्ति को सम्मानजनक आवास, सुरक्षित जीवन और अवसर नहीं दे सकता, तो उसकी समृद्धि अधूरी है।

रोटी तक ईएमआई पर लेने को मजबूर हुए ईरानी, अमेरिका-ईरान जंग का असर, तेल 430फीसदी तो अंडे 345फीसदी महंगे हो गए

तेहरान। मैंने मोहल्ले की दुकान से उधार राशन लिया। अगले दिन पैसा देने गया तो बिल दोगुना हो चुका था।' तेहरान के 52 साल के सरकारी कर्मचारी मेहदी की यह बात ईरान में महंगाई की तस्वीर को बयां करती है। तेहरान, इस्फहान, अहवाज और मशहद के लोगों से बात करने पर पाया कि उनकी आवाजों में अब बमों से ज्यादा बिछड़े परिवारों और दहशत की कहानियां उमड़ पड़ीं। इन्हीं में हामेद मिर्जाई की कहानी सबसे दर्दनाक है। उन्होंने लिखा कि मार्च में तेहरान के रेसालत स्क्वायर पर इजराइली हमला हुआ। इसमें उनकी पत्नी, माता-पिता समेत 12 लोग मारे गए। इसकी जानकारी उन्हें इंटरनेट शुरू होने के बाद मिल पाई। दवाएं भी राशन की तरह दे रही हैं फार्मेसियां-

रसोई का डर दिख रहा है। मेहदी ने बताया कि महंगाई इतनी बढ़ गई है कि अब तनख्वाह महीने के बीच में ही खत्म हो जाती है। कई इलाकों में हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि लोग रोटी, राशन, और सुपरमार्केट पैकेज तक ईएमआई में खरीद रहे हैं। इजराइल और अमेरिका के हमलों के बाद कुछ ईरानियों को लगा था कि सरकार गिर जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब सरकार समर्थक हों या विरोधी, सभी युद्ध, महंगाई और अनिश्चितता से टूट रहे हैं। युद्ध के बाद से देश में कुकिंग ऑयल 430फीसदी, अंडे 345फीसदी, चावल 287फीसदी और दूध 139फीसदी तक महंगे हो गए हैं। अब विरोधी बोले- बातचीत ही देश ?बचाने का आखिरी रास्ता- कई अब युद्ध को बदलाव का रास्ता नहीं मान रहे। वे बातचीत को देश बचाने का आखिरी साधन समझने लगे हैं। सरकार विरोधी तेहरान की 44 साल की पर्यावरण विशेषज्ञ लीदा, ने कहा कि वे बातचीत के पक्ष में हैं। उनका कहना है कि ईरान ने बहुत जानें गंवाईं। इंफ्रास्ट्रक्चर टूटा। युद्ध देश हित में नहीं है। विश्लेषक एली के मुताबिक यह विरोधियों के लिए कड़वा हिसाब लगाने का समय है। उन्हें मानना पड़ रहा है कि उम्मीदों के उलट यह शासन बचा रहा। इंटरनेट लौटा तो पता चला कि घर के 12 लोग मारे जा चुके हैं-ईरान में युद्ध शुरू होते ही इंटरनेट बंद हो गया था। मई के अंत तक लोग दुनिया से भी कटे रहे और एक-दूसरे से भी। जब इंटरनेट लौटा, तो राहत नहीं आई। सोशल मीडिया पर टूटे घरों, युद्ध की मार अब ईरान के उत्पादन व इलाज तक पहुंच चुकी है। मशहद के पास मौजूद एक फैक्ट्री के मैनेजर ने बताया कि उत्पादन बंद है और कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। वजह कच्चे माल की कमी है। इजराइली हमलों से पेट्रोकेमिकल उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस्फहान के डॉक्टर ने बताया कि फार्मेसियां दवाएं राशन की तरह दे रही हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों से कहा है कि वे कमी के कारण सिर्फ जरूरी दवाएं लिखें। ईरान के हीमोफीलिया एसोसिएशन के प्रमुख अमीन अफशार ने कहा कि रक्तस्राव संबंधी बीमारी से पीड़ित मरीजों की जरूरी दवाओं का कोई रिजर्व नहीं बचा। दवाओं का आयात भी बेहद मुश्किल हो गया है। ईरान में बढ़ती महंगाई और मुद्रा संकट के खिलाफ दिसंबर 2025 में हजारों लोग सड़कों पर उतर आए थे। इस विरोध प्रदर्शन के चलते सेंट्रल बैंक के प्रमुख मोहम्मद रजा फरजिन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। राजधानी तेहरान के सादी स्ट्रीट और ग्रैंड बाजार इलाके में व्यापारियों और दुकानदारों ने प्रदर्शन किया था। महंगाई के खिलाफ इस्फहान, शिराज और मशहद जैसे बड़े शहरों में भी विरोध प्रदर्शन हुए।प्रदर्शन उस वक्त तेज हुए, जब ईरान की मुद्रा रियाल डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई थी। इससे खाने-पीने की चीजों और रोजमर्रा के सामान की कीमतें काफी बढ़ गईं थीं। ईरान के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दिसंबर 2025 में महंगाई दर 42 फीसदी से ज्यादा रही, जबकि खाने की चीजों की कीमतें 70 फीसदी से अधिक बढ़ चुकी थीं।

पीओके में हिंसा, 30 की मौत, 200 से ज्यादा घायल,कश्मीर से आए लोगों को दी गई थी विधानसभा में आरक्षित सीटें खत्म करने की मांग

मुज्जफराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई हिंसक झड़पों में 30 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। न्यूज एजेंसी में पाकिस्तान की तरफ से लगातार झूठी खबरें और वीडियो फैलाने का पैटर्न देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अपनी नाकामियों को छिपाने और मानवाधिकार उल्लंघन से ध्यान हटाने की हताश कोशिश है।

रॉयटर्स के मुताबिक यह हिंसा जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएसी) और क्षेत्रीय सरकार के बीच चल रहे विवाद के दौरान हुई। रिपोर्ट के अनुसार मृतकों में 4 पुलिसकर्मी शामिल हैं। वहीं 23 सुरक्षाकर्मी और करीब 50 प्रदर्शनकारी घायल हुए हैं। पुलिस ने अब तक 30 लोगों को गिरफ्तार किया है। पीओके में जेएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद चल रहा है। ये सीटें उन शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं जो जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान के अन्य हिस्सों में जाकर बसे थे। जेएसी इन सीटों को खत्म करने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहा है। भारत ने इंटरनेशनल कम्युनिटी से दखल देने की मांग की-पीओके में चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर भारत ने पाकिस्तान पर फेक न्यूज और फेक वीडियो फैलाने का आरोप लगाया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस मामले रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में पुलिस की बर्बरता की खबरें सामने आ रही हैं, जिनमें कई लोगों की मौत हुई है और कई घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत को उम्मीद है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान के गलत कामों और मानवाधिकार उल्लंघन के लिए उसे जवाबदेह ठहराएगा। सरकार ने 5 जून को जेएसी पर आतंकवाद विरोधी कानून के तहत प्रतिबंध लगा दिया था। इसके बाद से इलाके में तनाव लगातार बढ़ रहा है। रविवार को जेएसी के कार्यकर्ता संगठन के एक सदस्य की मौत के विरोध में अस्पताल के शवगृह के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे। सदस्य की मौत कथित तौर पर पुलिस फायरिंग में हुई थी। पुलिस जब प्रदर्शनकारियों को हटाने पहुंची, तभी झड़प शुरू हो गई और हिंसा फैल गई। रावलकोट के कमिश्नर सरदार वहीद खान ने रॉयटर्स से कहा कि प्रदर्शनकारियों की गोलीबारी में चार पुलिसकर्मियों और एक राहगीर की मौत हुई।

अमीषा पटेल हुई 51 की, जन्म पर देखने पहुंचीं इंदिरा गांधी,दादा के नाम पर रोड, ममता कुलकर्णी ने कहा- तुम्हारी औकात क्या है

मुंबई। अमीषा पटेल का जन्म गुजरात के रईस बिजनेसमैन अमित पटेल और पंजाबी एनआरआई मां आशा के घर हुआ। मां और पिता का नाम जोड़कर उन्हें अमीषा नाम दिया गया। 5 की उम्र में उन्हें भरतनाट्यम की ट्रेनिंग दिलवाई गई। उनके दादाजी रजनी पटेल मशहूर बैरिस्टर और कांग्रेस के बड़े राजनेता थे। उनके नाम पर 1986 में मुंबई की रोड का नाम बैरिस्टर रजनी पटेल मार्ग रखा गया है। मनीष पॉल के पॉडकास्ट में अमीषा ने बताया था कि उनके दादाजी महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री तक बनने वाले थे। वो इंदिरा गांधी के करीबी थे। इंदिरा गांधी, अमीषा पटेल के पेरेंट्स की शादी में भी पहुंची थीं। उन्होंने खुद शादी ऐसी डेट पर रखी, जिस दिन वो काम में व्यस्त न हों और शादी अटेंड कर सकें। यहां तक की जब अमीषा का जन्म हुआ, इंदिरा गांधी वो पहली शख्स थीं, जो अस्पताल पहुंची थीं। 16 साल की उम्र में अमीषा अपने पिता के साथ सहेली के संगीत में पहुंची थीं। वहां पिता के साथ बोर्डिंग स्कूल में पढ़ चुके बचपन के दोस्त राकेश रोशन भी पहुंचे थे। जब अमीषा ने बिंदास अंदाज में डांस करना शुरू किया तो राकेश रोशन की उन पर नजर पड़ गई। वो सीधे उनके पिता के पास पहुंचे और पूछा- ये कौन है। गर्लफ्रेंड? जवाब मिला- नहीं राकेश, ये मेरी बेटी है अमीषा। अभी अभी बॉस्टन से पढ़ाई कर लौटी है। राकेश ने उनसे कहा- जब मैं अपने बेटे ऋतिक को लॉन्च करूंगा, तो तुम्हारी बेटी को हीरोइन बनाऊंगा। पिता ने कहा- नहीं, वो तो पढ़ाई के लिए बॉस्टन जा रही है। फिल्मों में काम करने का तो सवाल ही नहीं उठता। शुरुआती पढ़ाई के बाद अमीषा ने बोस्टन की टीयूएफटी यूनिवर्सिटी से बायो जेनेटिक इंजीनियरिंग की और बाद में इकॉनोमिक्स की पढ़ाई की। अमीषा के पिता अमित पटेल का अक्सर फिल्मी दुनिया के लोगों के साथ उठना-बैठना होता था। एक दिन उन्होंने बॉस्टन में रह रहीं अमीषा को कॉल कर बताया कि विनोद अंकल (विनोद खन्ना) चाहते हैं कि तुम उनके बेटे अक्षय खन्ना की डेब्यू फिल्म हिमालय पुत्र से फिल्मों में डेब्यू करो, लेकिन हमने इनकार कर दिया। हम नहीं चाहते कि तुम्हारी पढ़ाई पर असर पड़े। अमीषा ने इस बात कर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि फिल्मों में आने का उन्होंने खुद भी कभी सोचा नहीं था। कुछ दिन बीते, तो पिता ने फिर बताया फिरोज खान ने भी उन्हें बेटे फरदीन खान की फिल्म प्रेम अगन ऑफर की है, लेकिन इस बार भी उन्होंने इनकार कर दिया। जब वो फाइनल ईयर में बॉम्बे लौटीं, तो एक दिन राकेश रोशन ने उन्हें लंच पर इनवाइट किया। अमीषा पिता-मां के साथ गईं। वहां राकेश के बेटे ऋतिक भी मौजूद थे। उन्होंने पढ़ाई की खूब बातें कीं, अमीषा ने अपना सीवी और अमेरिका के मॉर्गन स्टेनली बैंक से मिली जॉब का लेटर भी दिखाया। कुछ देर बाद जब अमीषा वॉशरूम गईं तो राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक से पूछा कि क्या उन्हें अपकमिंग फिल्म कहो न प्यार है में कास्ट करना चाहिए। ऋतिक की हामी मिलने पर राकेश ने अमीषा के आते ही उन्हें फिल्म ऑफर कर दी। दरअसल, उस समय राकेश रोशन ने बेटे ऋतिक रोशन और करीना कपूर के साथ फिल्म कहो न प्यार है शुरू की थी, लेकिन करीना ने राकेश रोशन और मां बबीता की अनबन होने पर फिल्म छोड़ दी थी।

ऑफर मिलने पर अमीषा ने पूछा- आपकी फिल्म में तो हीरोइन फाइनल हो चुकी है। इस पर राकेश ने कहा- नहीं, मैं तुम्हें हीरोइन बनाना चाहता हूं। ये सुनकर अमीषा ने हामी भर दी। उन्होंने सोचा कि अगर पहली फिल्म फ्लॉप हुई, तो वो इकोनॉमिक्स में नौकरी शुरू कर देंगी, लेकिन खुशकिस्मती से फिल्म सुपरहिट रही और अमीषा पटेल एक स्टार बन गईं और आज भी फिल्मों से जुड़ी हुई हैं। आज अमीषा पटेल 51 साल की हो चुकी है। उनके बर्थडे के खास मौके पर जानिए, उनकी जिंदगी से जुड़ी रोचक कहानी, कुछ मजेदार किस्सों के साथ-कहो न प्यार है करते हुए मिली गदर, 12 घंटों तक दिया स्क्रीनटेस्ट- अमीषा पटेल ने कुछ दिनों की एक्टिंग ट्रेनिंग लेने के बाद कहो न प्यार है की शूटिंग शुरू की। इसी समय उन्हें अनिल शर्मा की फिल्म गदर के ऑडिशन की जानकारी मिली। वो ऑडिशन के लिए गईं, जिसके लिए पहले ही 500 लड़कियां ऑडिशन दे चुकी थीं। 22 लड़कियों को स्क्रीनटेस्ट के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिनमें अमीषा भी शामिल हुईं। उनका स्क्रीनटेस्ट 12 घंटे तक चला। आखिरकार अनिल शर्मा ने उन्हें गदर में कास्ट कर लिया। सिलेक्शन के बाद अमीषा पटेल को गदर साइन करने पर ताने मिले। सभी का मानना था कि करियर की शुरुआत में अमीषा को मां का रोल नहीं करना चाहिए, लेकिन वो ये रोल करने पर अड़ी थीं। अमीषा ने एक साथ कहो न प्यार है और गदर की शूटिंग की। एक फिल्म में वो चुलबुली लड़की थीं और दूसरी में एक भारत-पाकिस्तान के बीच हुए दंगों की सर्वाइवर। सबसे पहले उनकी फिल्म कहो न प्यार है रिलीज हुई। हर किसी ने राकेश रोशन को सलाह दी कि वो न्यूकमर ऋतिक और अमीषा की इस फिल्म को शाहरुख खान की फिल्म फिर भी दिल है हिंदुस्तानी और आमिर खान की फिल्म मेला के आसपास रिलीज न करें। कहो न प्यार है 14 जनवरी 2000 में रिलीज हुई, जबकि मेला 7 जनवरी 2000 और फिर भी दिल है हिंदुस्तानी 21 जनवरी 2000 को रिलीज हुई। बड़े क्लैश के बावजूद कहो न प्यार है ब्लॉकबस्टर रही और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी। इसके बाद रिलीज हुई अमीषा पटेल की फिल्म गदर भी ब्लॉकबस्टर रही और उनकी गिनती टॉप एक्ट्रेस में होने लगी। गदर में अमीषा ने पाकिस्तानी सकीना का किरदार निभाया, जिसमें सनी देओल ने तारा सिंह का किरदार निभाया था। दोनों की जोड़ी काफी पसंद की गई थी। कुछ सालों बाद अमीषा पटेल को सनी देओल के भाई बॉबी देओल के साथ हमराज फिल्म मिली। फिल्म के क्लाइमैक्स सीन में अमीषा को अक्षय खन्ना को गोली मारकर, बॉबी से गले लगना था। फिल्म की शूटिंग जयपुर के किले में हुई, जहां शूटिंग देखने के लिए भारी भीड़ जमा थी। जैसे ही अमीषा ने बॉबी को गले लगाया, वैसे ही दर्शकों की भीड़ ने चिल्लाना शुरू किया। भीड़ के लोग चिल्लाकर बॉबी देओल से कह रहे थे- सकीना को छोड़ दे, वो तेरे भाई तारा सिंह की अमानत है। उसे छोड़ दे। ये सुनते ही सेट पर मौजूद पूरी टीम जोर से हंस पड़ी और सीन दोबारा करना पड़ा। कहो न प्यार है और गदर जैसी शुरुआती फिल्मों ने अमीषा को स्टार बनाया, लेकिन बाद में उनकी बैक-टु-बैक कई फिल्में फ्लॉप होने लगीं। इनमें आप मुझे अच्छे लगने लगे, क्रांति शामिल रहीं। ह्यूमर देख आमिर खान ने ऐश्वर्या को हटाकर किया अमीषा को कास्ट अमीषा की फ्लॉप हो रहीं फिल्मों के बीच एक रोज आमिर खान ने उनका बीबीसी को दिया एक इंटरव्यू देखा, जिसमें वो बेहतरीन अंदाज में ह्यूमरस जवाब दे रही थीं। आमिर को उनका ह्यूमर इतना पसंद आया कि उन्होंने तुरंत अपने प्रोड्यूसर को कॉल कर कहा कि उनकी अपकमिंग फिल्म मंगल पांडेः द राइजिंग में अमीषा को कास्ट किया गया। जबकि उस समय फिल्म में पहले ही ऐश्वर्या राय की कास्टिंग हो चुकी थी। ऐश्वर्या को रिप्लेस करने पर अमीषा चर्चा में रही थीं। ये फिल्म एवरेज रही, हालांकि आगे भी उनकी फिल्में जमीर, वादा, हमको तुमसे प्यार है, अनकही, आप की खातिर फ्लॉप होती रहीं और उन पर फ्लॉप एक्ट्रेस का ठप्पा लग गया। विक्रम भट्ट को किया डेट, परिवार को भेजा लीगल नोटिस-2002 में आई फिल्म आप मुझे अच्छे लगने लगे की शूटिंग के दौरान अमीषा पटेल और डायरेक्टर विक्रम भट्ट रिलेशनशिप में आ गए। अमीषा का परिवार इस रिश्ते से नाखुश था। समय के साथ अमीषा के परिवार से उनकी अनबन शुरू हो गई। विवाद तब बढ़ा, जब अमीषा ने 2004 में पिता को लीगल नोटिस भेजकर उनपर कमाई का गलत तरीके से इस्तेमाल करने का आरोप लगाया।

नोटिस के अनुसार, अमीषा के पिता ने बिजनेस में नुकसान होने पर बिना इजाजत अमीषा की सारी जमापूंजी अपने बिजनेस में लगा दी। उन्होंने 12 करोड़ की रकम वापस भी मांगी। अमीषा ने घर छोड़ दिया और अकेले रहने लगीं। इसी समय खबरें रहीं कि अमीषा, विक्रम से शादी करने वाली हैं, लेकिन 2008 में अचानक दोनों अलग हो गए। इसी समय अमीषा के परिवार ने उनसे सुलह करनी चाही। विक्रम से ब्रेकअप के ठीक बाद अमीषा का नाम मार्च 2008 में अमेरिकन बिजनेसमैन कनव पुरी से जुड़ा। 2009 से अमीषा और परिवार से रिश्ते सुधरने लगे। कनव पुरी से शादी की खबरों के बीच ही अमीषा ने कनव से भी ब्रेकअप कर लिया और कहा कि वो करियर पर फोकस करना चाहती हैं। एयर इंडिया के कर्मचारी ने एक्ट्रेस के खिलाफ दर्ज करवाई शिकायत-अगस्त 2006 में न्यूयॉर्क में होने वाली विक्ट्री परेड में शामिल होने के लिए रवाना हुईं अमीषा विवादों में घिर गईं। उन पर एयर इंडिया की एक कर्मचारी ने बदसलूकी करने के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई। भारत लौटने के बाद अमीषा के खिलाफ जांच शुरू हुई और उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। शिकायत के अनुसार, उन्होंने अपने साथी को फर्स्ट क्लास की टिकट न दिए जाने पर बदसलूकी की, हालांकि अमीषा ने इस सभी आरोपों को निराधार कहा। साथ ही उन्होंने कहा कि एयरलाइन के कर्मचारी खुद को बचाने के लिए उन्हें फंसा रहे हैं। विवाद तब खत्म हुआ, जब न्यूयॉर्क विक्ट्री परेड के ऑर्गेनाइजर्स ने एक्ट्रेस से माफी मांगते हुए कहा कि गड़बड़ उनकी तरफ से हुई थी। उन्होंने अमीषा के साथ ट्रेवल करने वालों की भी फर्स्ट क्लास में टिकट करवाई थी, लेकिन टेक्निकल दिक्कतों के चलते उनकी टिकट गलत बुक हो गई।

ममता कुलकर्णी ने बहस कर कहा- तुम्हारी औकात क्या है- 90 के दशक में ममता कुलकर्णी स्टार थीं, जबकि अमीषा पटेल मॉडलिंग किया करती थीं। तब दोनों को एक साथ एक हेयरऑइल का एड मिला था, जिसकी शूटिंग 4-5 दिनों तक मॉरीशस में हुई थी। शूटिंग के बीच ऑर्गनाइजर और बजाज सेवाश्रम के मालिक मिस्टर बजाज ने सभी के लिए एक डिनर आयोजित किया। डिनर के समय ममता कुलकर्णी, मिस्टर बजाज, अमीषा और उनकी मां अपनी-अपनी टीम के साथ एक ही टेबल पर बैठे थे। तभी ममता ने बुफे से एक डिश ली, जिसमें कोई नाम नहीं लिखा था। उन्हें चबाने में दिक्कत हुई, तो उन्होंने वेटर को बुलाकर डिश का नाम पूछा। वेटर ने उन्हें बताया कि ये हिरण का मांस है। इस पर ममता चिढ़ गईं और वेटर पर चिल्लाते हुए कहा- हिरण का मांस कौन खाता है, चिकन-मटन खाया जाता है। उन्होंने और उनकी सेक्रेटरी ने वेटर को गालियां देते हुए बदतमीजी की, तभी पास बैठीं अमीषा ने बीच-बचाव करते हुए कहा, यहां सभी लोग एक जैसा खाना खा रहे हैं, तो किसी को नखरे नहीं करना चाहिए। इस पर ममता भड़क गईं और चिल्लाते हुए कहा- तुम यहां हेयर ऑइल के एड के लिए आई हो ना। तुम्हें इसके 1 लाख रुपए मिले हैं और मुझे 15 लाख, तो स्टार कौन है बताओ, तुम्हारी औकात क्या है। इसके बाद अमीषा ने उन्हें जवाब दिया, तो उनकी सेक्रेटरी ने अमीषा से बदसलूकी करते हुए अग्रेसिव होकर उनके पास आने लगीं। तभी अमीषा की मां आशा तुरंत उठीं और सेक्रेटरी का हाथ पकड़कर कहा, मेरी बेटी को छूने की हिम्मत भी मत करना। ये झगड़ा काफी चर्चा में रहा। अमीषा पटेल एक इंटरव्यू में इस पर बात कर चुकी हैं। बीते साल आप की अदालत में पहुंचीं, ममता से जब इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने मामले पर बात जरूर की, लेकिन सफाई में कहा कि उन्होंने सीधे तौर पर अमीषा को अपशब्द नहीं कहे, बल्कि उनकी मैनेजर की उनसे बहस हुई थी। अमीषा पटेल के हाथ से निकलीं ब्लॉकबस्टर तेरे नाम और लगान जैसी फिल्में- शुरुआत में आमिर खान की फिल्म लगान अमीषा पटेल को ऑफर हुई थी। उस फिल्म में उन्हें गांव की लड़की का किरदार निभाना था। उनकी डेट्स भी फाइनल हो चुकी थीं, हालांकि बाद में डायरेक्टर आशुतोष गोवारिकर को एहसास हुआ कि एक गांव की लड़की के किरदार के लिए अमीषा अच्छा विकल्प नहीं हैं, क्योंकि वो बेहद खूबसूरत और पढ़ी-लिखी लगती हैं। यही वजह रही कि आखिरी समय में उनकी जगह ग्रेसी सिंह को कास्ट कर लिया गया। फिल्म गदरः एक प्रेम कथा और लगान एक ही दिन 14 जून 2001 को रिलीज हुई थीं। सलमान चाहते थे अमीषा तेरे नाम करें- अमीषा पटेल, सलमान की करीबी दोस्त हैं। जिस समय उन्हें तेरे नाम की स्क्रिप्ट मिली, तब उन्होंने अमीषा को फिल्म ऑफर की थी। उन्होंने अमीषा को तेरे नाम के गाने सुनाए, जो पहले बन चुके थे। हालांकि तब फिल्म की शूटिंग डेट्स तय नहीं थीं और न ही ये तय हुआ था कि फिल्म कौन डायरेक्ट करेगा। जब तक सतीष कौशिक, फिल्म डायरेक्ट करने के लिए फाइनल हुए, तब तक अमीषा दूसरी फिल्मों में बिजी हो चुकी थीं। बाद में उनकी जगह भूमिका चावला को कास्ट किया गया। मुन्नाभाई एमबीबीएस में शाहरुख के साथ किया गया था कास्ट-डायरेक्टर विधु विनोद चोपड़ा ने शाहरुख खान और अमीषा के साथ फिल्म मुन्नाभाई एमबीबीएस प्लान की थी। हालांकि शाहरुख दूसरी फिल्मों में बिजी होने पर ये फिल्म नहीं कर सके।

बाद में उनकी जगह संजय दत्त आए। जब तक कास्टिंग फाइनल होती, अमीषा भी दूसरी फिल्मों में बिजी हो गईं और उन्होंने ये फिल्म छोड़ दी। एम एफ हुसैन को दादाजी ने दिया था मौका-एक दौर में मशहूर पेंटर एम एफ हुसैन, सड़कों पर बिलबोर्ड पेंट करने का काम करते थे। वो अमीषा पटेल के दोस्त थे। शुरुआत में जब एमएफ हुसैन पेंटिंग में करियर बनाने की जद्दोजहद कर रहे थे, तब अमीषा के दादाजी ने उन्हें सपोर्ट किया और उनकी पेंटिंग्स अपने साथियों से खरीदवाई थीं। यही वजह रही कि एम एफ हुसैन का अमीषा के परिवार से करीबी रिश्ता रहा। अमीषा के घर में आज भी एम एफ हुसैन की दी हुईं कई लग्जरी पेंटिंग्स हैं।

हेल्दी वोकल कॉर्ड्स के 9 टिप्स

आवाज में अचानक बदलाव किसी बीमारी का इशारा तो नहीं, ये बदलाव दिखे तो तुरंत डॉक्टर से मिलें

नयी दिल्ली। हम आवाज को सिर्फ कम्युनिकेशन का जरिया मानते हैं, लेकिन यह हमारी सेहत का एक अहम संकेत भी है। आमतौर पर सर्दी-जुकाम या थकान होने पर आवाज में हल्का बदलाव होता है। कई बार आवाज में बदलाव डायबिटीज, थायरॉइड, हार्ट डिजीज या न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स का इशारा भी हो सकता है। दरअसल आवाज ब्रेन, लंग्स और वोकल कॉर्ड्स के कोऑर्डिनेशन से बनती है। इसलिए इनमें किसी भी गड़बड़ी का असर तुरंत आवाज पर दिखता है। ऐसे में सवाल ये है कि आवाज में हो रहे कौन-से बदलाव सामान्य हैं और किन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए? आज जानेंगे कि आवाज कैसे सेहत का हाल बताती है। साथ ही जानेंगे कि- आवाज में किस तरह के बदलाव गंभीर हो सकते हैं? आवाज में कौन-से बदलाव किस बीमारी का संकेत हैं? डॉ. राजुल अग्रवाल डायरेक्टर, न्यूरोलॉजी, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ और समझेंगे अच्छे से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हमारी आवाज शरीर के किन ऑर्गन्स पर निर्भर करती है? जवाब- आवाज एक न्यूरो-मस्कुलर और रेस्पिरेटरी प्रक्रिया है, जिसमें कई अंग मिलकर काम करते हैं। ब्रेनः बोलने का कंट्रोल सेंटर है, जो सांस, मसल्स और आवाज को निर्देश देता है। फेफड़ेः हवा का दबाव बनाते हैं, जो आवाज की ऊर्जा का मुख्य सोर्स है। वोकल कॉर्ड्स (लैरिंक्स)ः हवा के गुजरने पर कंपन करते हैं और आवाज पैदा करते हैं। जीभ, होंठ और दांतः आवाज को स्पष्ट शब्दों में बदलते हैं, इसे आर्टिक्युलेशन कहते हैं। नाक और गलाः आवाज की गूंज, टोन और क्वालिटी तय करते हैं। सवाल- क्या आवाज में अचानक बदलाव किसी छिपी हुई हेल्थ कंडीशन का संकेत हो सकता है? जवाब- आवाज में अचानक बदलाव अंदरूनी समस्या का संकेत हो सकता है। हमारी आवाज ब्रेन, नर्व्स और रेस्पिरेटरी सिस्टम से जुड़ी होती है। इसलिए कई बार बदलाव का कारण गंभीर भी हो सकता है। सवाल- आवाज में किस तरह के बदलाव कॉमन हैं? जवाब- आवाज में हल्के बदलाव सर्दी-जुकाम, एलर्जी, डिहाइड्रेशन या ज्यादा बोलने के कारण हो सकते हैं। आवाज बैठना (होर्सनेस)ः आवाज भारी या भर्राई लगती है।आवाज कमजोर होनाः आवाज धीमी या कम स्पष्ट हो जाती है। पिच में बदलावः आवाज ऊंची या नीची हो सकती है। फुसफुसाती या टूटी आवाजः सांस के साथ आवाज टूट सकती है। बोलने की स्पीड बदलनाः कभी तेज, कभी धीमी हो सकती है। खराश या म्यूकसः गले में बलगम से स्पष्टता कम हो जाती है। कुछ बदलाव गंभीर बीमारी के शुरुआती संकेत हो सकते हैं, इसलिए इन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। नीचे ग्राफिक में दिए लक्षण स्ट्रोक, न्यूरोलॉजिकल डिजीज या कैंसर से जुड़े हो सकते हैं। इसमें तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है। ऐसे बदलाव हो तो डॉ से सलाह ले अचानक बोली लड़खड़ाना। शब्द स्पष्ट न निकलना। आवाज कमजोर, धीमी होना। एक ही टोन में बोलना। आवाज का बार-बार टूटना। खांसी के साथ खून आना। निगलने सास लेने में दर्द, खराश, बोलने में थकान। 2-3 हफ्ते से ज्यादा होर्सनेसः लगातार भारी या बैठी आवाज गले की समस्या का संकेत हो सकती है। अचानक बोली लड़खड़ानाः स्ट्रोक या न्यूरोलॉजिकल समस्या का संकेत हो सकता है। बोलने पर खांसी के साथ खूनः गले या फेफड़ों की गंभीर बीमारी का रिस्क हो सकता है। कमजोर या मोनोटोन आवाजः नर्सों या ब्रेन से जुड़ी समस्या का संकेत हो सकता है। सांस लेने में दिक्कतः रेस्पिरेटरी सिस्टम की समस्या का संकेत है। सवाल- क्या आवाज में आए बदलाव को आइडेंटिफाई कर बीमारियां भी डायग्नोज की जा सकती हैं? जवाब- हां, आवाज में बदलाव का एनालिसिस कर कुछ बीमारियों के संकेत पहचाने जा सकते हैं। हाल के वर्षों में वॉइस एनालिसिस और एआई टेक्नीक्स पर तेजी से रिसर्च हुई है। ये टेक्नीक्स आवाज की पिच, स्पीड और कंपन का एनालिसिस करती हैं। आवाज के कंपन से कोरोनरी आर्टरी डिजीज के रिस्क के संकेत मिल सकते हैं। स्पीच पैटर्न से डिमेंशिया और पार्किंसन के शुरुआती लक्षण पहचाने जा सकते हैं। हालांकि, यह केवल स्क्रीनिंग टूल है। किसी भी बीमारी का अंतिम डायग्नोसिस क्लिनिकल टेस्ट और डॉक्टर की सलाह से ही किया जाता है। सवाल- क्या मेंटल हेल्थ से जुड़ी परेशानी होने पर भी आवाज बदलती है? जवाब- हां, मेंटल हेल्थ का आवाज पर सीधा असर पड़ता है। भावनाएं और स्ट्रेस ब्रेन फंक्शनिंग की स्पीड को बदलते हैं, जिससे आवाज की टोन और रिदम प्रभावित होती है। डिप्रेशनः आवाज धीमी, सपाट और कम ऊर्जा वाली हो जाती है। एंग्जाइटीः आवाज तेज, ऊंची पिच और कांपती हुई लग सकती है। क्रॉनिक स्ट्रेसः सांस तेज चलती है, जिससे व्यक्ति जल्दी-जल्दी बोलता है। स्किजोफ्रेनियाः आवाज टूटी-फूटी या मोनोटोन हो सकती है। ये बदलाव लंबे समय तक बने रहें तो मेंटल हेल्थ एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें। सवाल- पार्किंसन, अल्जाइमर्स जैसी न्यूरोलॉजिकल बीमारियों में आवाज से किस तरह के संकेत मिलते हैं? जवाब- न्यूरोलॉजिकल बीमारियों से ब्रेन और नर्व्स प्रभावित होती हैं, जिससे बोलने के लिए जरूरी मसल्स पर कंट्रोल कम हो जाता है। पार्किंसन डिजीजः आवाज धीमी, मोनोटोन, कम वॉल्यूम और सांस भारी होती है। वोकल कॉर्ड्स में हल्का कंपन (ट्रेमर) भी देखा जा सकता है। आवाज की स्पष्टता कम हो जाती है और शब्द साफ नहीं निकलते। अल्जाइमर्स/डिमेंशियाः बोलने की स्पीड धीमी हो जाती है और व्यक्ति बार-बार रुकता है। ब्रेन को शब्द खोजने में कठिनाई होती है, वाक्य छोटे और सरल हो जाते हैं।

बातचीत में दोहराव बढ़ सकता है। सवाल- क्या आवाज में हर बदलाव बीमारी का संकेत होता है? जवाब- नहीं, ज्यादातर बदलाव अस्थायी कारणों से होते हैं और सही देखभाल से ठीक हो जाते हैं। सर्दी-जुकाम या एलर्जीः अस्थायी होर्सनेस (आवाज बैठना) कॉमन हैं। डिहाइड्रेशनः गला सूखने से आवाज भारी हो सकती है। ज्यादा बोलना/चिल्लानाः वोकल कॉर्ड्स पर दबाव पड़ने से आवाज बदलती है। कैफीन या अल्कोहलः गले को ड्राई करके आवाज प्रभावित कर सकते हैं। सवाल- क्या उम्र बढ़ने के साथ आवाज में बदलाव होना स्वाभाविक है? जवाब- हां, उम्र बढ़ने के साथ आवाज में बदलाव होना सामान्य है। इसे मेडिसिनल लैंग्वेज में 'प्रेस्बीफोनिया' कहा जाता है। आवाज में ताकत कम हो सकती है। हल्का कंपन महसूस हो सकता है। पहले की तुलना में आवाज धीमी हो जाती है।लंबे समय तक बोलने पर थकावट होती है। फेफड़ों की क्षमता घटने से ऐसा होता है। सवाल- अगर आवाज 2-3 हफ्ते से ज्यादा समय तक खराब है तो कौन-से टेस्ट जरूरी होते हैं? जवाब- यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। सही कारण जानने के लिए ईएनटी (ईएनटी) एक्सपर्ट द्वारा कुछ जांच जरूरी होती है। लैरिंगोस्कोपीः कैमरे से वोकल कॉर्ड्स का स्ट्रक्चर और कंडीशन देखी जाती है।

वीडियो स्ट्रोबोस्कोपीः वोकल कॉर्ड्स के कंपन और फंक्शनिंग का एनालिसिस होता है। ब्लड टेस्टः थायरॉइड या अन्य हॉर्मोन असंतुलन की जांच की जाती है। न्यूरोलॉजिकल रिव्यूः नर्व्स या ब्रेन से जुड़ी समस्या का पता लगाने के लिए यह टेस्ट होता हैं। पल्मोनरी टेस्टः रेस्पिरेटरी सिस्टम की स्थिति जांचने के लिए यह टेस्ट होता है।

सवाल- आवाज और वोकल कॉर्ड को हेल्दी रखने के लिए क्या करें? जवाब- वोकल कॉर्ड की सेहत डेली लाइफस्टाइल की आदतों पर निर्भर करती है, सही देखभाल से समस्याएं रोकी जा सकती हैं.हल्की खराश है या आवाज बैठ गई है तो आमतौर पर कुछ दिनों में ठीक हो जाती है।

लेकिन अगर ये बदलाव लंबे समय तक रहें या अन्य लक्षण के साथ हों, तो डॉक्टर से सलाह जरूरी है। जैसेकि- 2-3 हफ्ते से ज्यादा होर्सनेस रहे। खांसी के साथ खून आए। निगलने में दर्द/कठिनाई हो। सांस लेने में दिक्कत हो।अचानक बोली लड़खड़ाए। बहुत कमजोर या मोनोटोन आवाज हो।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।